सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 256 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 29 जून 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

एक जुलाई से बढ़ेगा रेल किरायाः एसी व नॉन एसी कोच के टिकट हो सकते हैं महंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली (ए.)। हर माह पहली तारीख को देश में कुछ परिवर्तन होता है। इसी प्रकार जुलाई माह में भी कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन होने जा रहे हैं। पहली जुलाई से जो सबसे बड़ा परिवर्तन होने जा रहा है वह रेल किराए को लेकर है। एक जुलाई से रेलवे के टिकटों की दर बढ़ सकती है साथ ही तत्काल टिकट बुकिंग के नियम में भी बदलाव किया जा रहा है। इसके साथ ही पैन कार्ड से लेकर बैंकिंग, रेलवे टिकट बुकिंग, गैस सिलेंडर की कीमत और क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियम भी बदल रहे हैं।

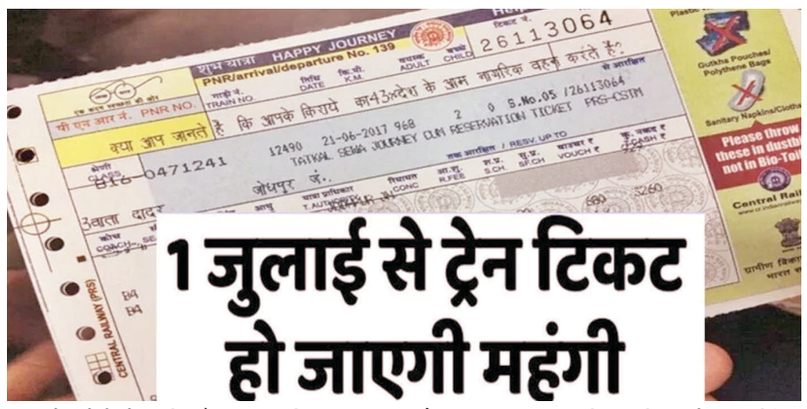

रेलवे मंत्रालय 1 जुलाई 2025 से मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में एसी और नॉन-एसी क्लास का किराया बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, नॉन-एसी (स्लीपर, सेकंड सीटिंग आदि) श्रेणियों में 1 पैसा और सभी एसी क्लास में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से किराया बढ़ाया जा सकता है। 500 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए सेकंड क्लास ट्रेन टिकट की कीमतों और एमएसटी में कोई बदलाव नहीं होगा, लेकिन अगर 500 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करनी है, तो फिर यात्री को प्रति किलोमीटर आधा पैसा देना होगा।

क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान का नया सिस्टम

भारतीय रिजर्व बैंक ने आदेश दिया है कि सभी क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान अब भारत बिल पेमेंट सिस्टम के जरिए किया जाएगा। इससे बिल डेस्क, फोनपे, क्रीड जैसे एप्स पर असर पड़ सकता है। अभी केवल आठ बैंकों ने बीबीपीएस पर यह सुविधा शुरू की है।

घरेलू गैस की कीमतों में हो सकता है बदलाव

अगले महीने एलपीजी सिलेंडर की दरों में बदलाव हो सकता है। यह प्रक्रिया सरकार की ओर से हर महीने की शुरुआत में की जाती है। अभी एक जून को 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में कटौती की गई थी। वहीं, घरेलू गैस सिलेंडर यानी 14 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम में 1 अगस्त 2024 से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

तत्काल टिकट बुकिंग पर सख्ती

अब तत्काल टिकट सिर्फ उन्हीं यात्रियों को मिलेगा जिनका आईआरसीटीसी अकाउंट आधार से लिंक है। जुलाई से ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण जरूरी होगा, जो आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर आएगा। रेलवे एजेंट तत्काल बुकिंग शुरू होने के पहले 30 मिनट तक टिकट नहीं बुक कर पाएंगे। इसी प्रकार 1 जुलाई से नए पैन कार्ड के लिए आवेदन करने पर आधार कार्ड देना अनिवार्य होगा। यह नियम सीबीडीटी द्वारा लागू किया गया है। यदि आपके पास पहले से पैन और आधार दोनों हैं, तो इन्हें लिंक करना भी जरूरी है। इसके लिए 31 दिसंबर, 2025 तक का समय दिया गया है।

खास-खबर

जगदलपुर से जगन्नाथ पुरी के लिए ट्रेन 5 जुलाई से

जगदलपुर। जगदलपुर से ओडिशा के जगन्नाथ पुरी के लिए रेलवे गोंचा स्पेशल ट्रेन शुरू कर रहा है। जुलाई के पहले सप्ताह 5 और 7 जुलाई को यह ट्रेन चलेगी। 5 जुलाई को जगदलपुर से निकलेगी और 7 जुलाई को यही ट्रेन पुरी से जगदलपुर लौटेगी। रेलवे के अफसरों के मुताबिक, 5 जुलाई को जगदलपुर रेलवे स्टेशन से सुबह 9 बजे ये ट्रेन पुरी के लिए रवाना होगी। जो रात 1:15 मिनट पर पुरी पहुंच जाएगी। वहीं 7 जुलाई की रात 12:45 को यह ट्रेन पुरी से रवाना होगी और शाम 4:45 को यह जगदलपुर पहुंचेगी।

इस ट्रेन में 4 स्लीपर, 2 जनरल सेकंड क्लास, 2 सेकंड क्लास, दिव्यांगजनों के लिए कोच होंगे। वहीं यात्रियों को सामान कम लेजाने की इजाजत है। ट्रेन का टिकट कितने रुपए का है ये अभी रेलवे ने स्पष्ट नहीं किया है। यात्रियों को जगदलपुर रेलवे स्टेशन से आसानी से टिकट मिल जाएगा। इधर, किरंदुल से विशाखापट्टनम और विशाखापट्टनम से किरंदुल तक चलने वाली पैसेंजर ट्रेन में 1 जुलाई से 1 अगस्त तक अतरिक्त कोच जोड़ा जा रहा है। जिससे यात्रियों को सीधा फायदा होगा।

बिलासपुर में 100 करोड़ की लागत से बनेगी आधुनिक एजुकेशन सिटी, सीएम साय की पहल पर बना प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में बिलासपुर शहर को एक आधुनिक एजुकेशनल हब के रूप में विकसित करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दिशानिर्देश पर बिलासपुर में एजुकेशनल सिटी की अवधारणा विकसित की गई है। इस परियोजना के लिए बिलासपुर नगर पालिक निगम की लगभग 13 एकड़ भूमि का उपयोग प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बिलासपुर एजुकेशनल सिटी में नालंदा परिसर की स्थापना की जाएगी, जहां 500 छात्र-छात्राएं एक साथ बैठकर फिजिकल एवं डिजिटल लाइब्रेरी का लाभ ले सकेंगे। इसके साथ ही तीन बहुमंजिला इमारतों का निर्माण किया जाएगा, जिनमें कुल 48 हॉल सेटअप (1 सेटअप में 1 हॉल, 2 कक्ष और 1 टॉयलेट) तैयार किए जाएंगे। इस व्यवस्था में एक साथ 4,800 विद्यार्थियों के कोचिंग क्लास अटेंड करने की सुविधा रहेगी। छात्रों के शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास के लिए 700 सीटों वाले आधुनिक ऑडिटोरियम का निर्माण भी किया जाएगा। वहीं, बाहर से आने वाले लगभग 1000 विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल फैसिलिटी भी निर्मित की जाएगी।

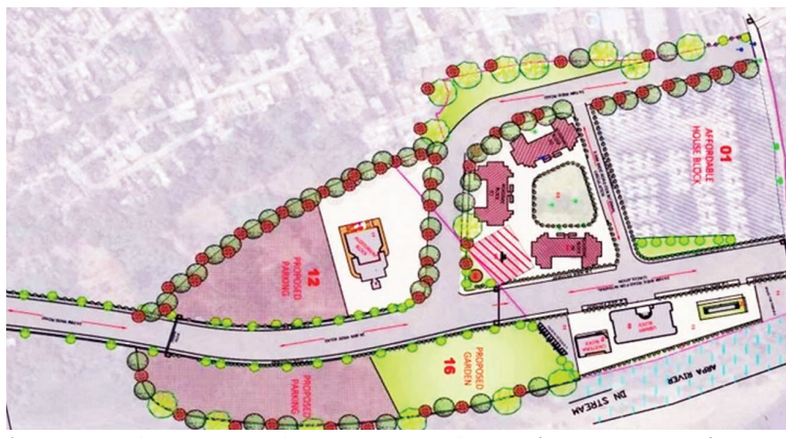

उल्लेखनीय है कि राज्य गठन के पश्चात बिलासपुर शहर ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। बिलासपुर में एसईसीएल का मुख्यालय और रेलवे का डीआरएम कार्यालय भी स्थित है, जिससे यह शहर न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। यहां एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, दो विश्वविद्यालय, आठ महाविद्यालय, लोक सेवा आयोग, व्यापम और आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले करीब 100 से अधिक कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं, जिनमें प्रदेश के 50,000 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं।

एस्ट्रोटर्फ खेल मैदान व सुंदर गार्डन भी किए जाएंगे विकसित

खेलकूद और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एजुकेशनल सिटी में एस्ट्रोटर्फ खेल मैदान तथा सुंदर गार्डन भी विकसित किए जाएंगे। साथ ही, वाहनों के लिए मल्टी लेवल पार्किंग की व्यवस्था होगी ताकि आने-जाने में कोई असुविधा न हो। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित लागत करीब 100 करोड़ रुपये होगी और इसके निर्माण कार्य की कार्य योजना नगर पालिक निगम बिलासपुर द्वारा तैयार कर ली गई है। शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा, जिससे बिलासपुर एजुकेशनल सिटी प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करेगी।

बिलासपुर ही नहीं छत्तीसगढ़ को बनाएंगे एजुकेशनल हब

छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में स्थान देती है। हमारी यह अटल प्रतिबद्धता है कि प्रदेश का प्रत्येक विद्यार्थी आधुनिक संसाधनों, उन्नत अधोसंरचना और प्रेरक वातावरण में अपनी क्षमताओं को संवार सके और आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर सके। बिलासपुर एजुकेशन सिटी का निर्माण इसी दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह न सिर्फबिलासपुर को छत्तीसगढ़ का एजुकेशनल हब बनाएगा, बल्कि प्रदेश के हजारों युवाओं को उच्चस्तरीय सुविधाओं में अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर देगा। नालंदा परिसर, बहुमंजिला कोचिंग भवन, डिजिटल और फिजिकल लाइब्रेरी, हॉस्टल, ऑडिटोरियम, खेल मैदान और ग्रीन जोन ङ्क ये सभी सुविधाएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को समर्पित होंगी। मुझे विश्वास है कि यह परियोजना आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक परिदृश्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

दुर्ग सांसद विजय बघेल की कल रेलवे जीएम से होगी बैठक, यात्री सुविधा व रेल विकास पर होगी चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग सांसद विजय बघेल की सोमवार 30 जून को रायपुर मंडल प्रबंधक कार्यालय में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के साथ महत्वपूर्ण बैठक होगी। इस बैठक में दुर्ग में यात्री सुविधाओं व रेलवे के विकास को लेकर चर्चा की जाएगी। इस दौरान कुछ महत्वपूर्ण ट्रेनों को दुर्ग से शुरू करने व कुछ रूट पर नई ट्रेनों के संचालन को लेकर भी चर्चा संभव है।

सोमवार को होने वाली बैठक में सांसद विजय बघेल यात्री सुविधाओं तथा रेल विकास से संबन्धित कार्यों एवं मुद्दों पर चर्चा करेगें। इनमें मरोदा स्टेशन से दुर्ग लिंक केबिन लाईन को चालू किया जाना, अमृत भारत योजना अंतर्गत दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों में हो रहे पुन:निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने, दुर्ग से रावघाट तक दोहरीकरण रेलवे लाईन का निर्माण व विद्युतीकरण, दुर्ग-मरोदा स्टेशन के मध्य रिसाली फाटक से बोरसी फाटक के मध्य पैसेंजर हाल्ट स्टेशन का निर्माण, चंद्रपुर (गढ़चिरौली)-जगदलपुर प्रस्तावित रेल लाईन को दल्लीराजहरा से होते हुए परिचालन, नवा रायपुर ङ्क राजिम-धमतरी रेल लाईन को जल्द से जल्द शुरु किया जाने,

रिसामा रेलवे स्टेशन के समीप फाटक पर ओवर ब्रिज निर्माण , कुम्हारी रेलवे स्टेशन के निकट कैवल्यधाम के रेलवे फाटक को अंडर ब्रिज निर्माण, दुर्ग-दल्लीराजहरा-दुर्ग का नियमित परिचालन, बिलासपु ,रायपुर, दुर्ग, दल्लीराजहरा के लिए नई ट्रेन का परिचालन जैसी मांगे है।

इन ट्रेनों के विस्तार की हो सकती है मांग

इसके अलावा विदर्भ एक्सप्रेस का विस्तार दुर्ग तक किए जाने, गरीब- रथ एक्सप्रेस को रायपुर-लखनऊ-रायपुर, हसदेव एक्सप्रेस एवं गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-रायपुर पैसेंजर ट्रेन का परिचालन दुर्ग स्टेशन से किया जाने, गाड़ी संख्या 12924 नागपुर-इंदौर का परिचालन रायपुर किए जाने, दुर्ग-टाटानगर-दुर्ग स्टीलसिटी एक्सप्रेस चलाने जैसी मांगे शामिल हो सकती है। इसके अलावा गाड़ी संख्या 68724 गोंदिया-रायपुर लोकल का फिर से शुरू करने, छत्तीसगढ़ से बेंगलुरु के लिए एक अतिरिक्त सीधी ट्रेन सेवा शुरू किया जाना, दुर्ग एवं रायपुर रेलवे स्टेशन से रामेश्वरम, कन्याकुमारी, सोमनाथ, मदुरै, जोधपुर, चण्डीगढ़, हरिद्वार, गुवाहटी, अगरतरला, डिब्रूगढ़ रेलवे स्टेशन तक नयी ट्रेन सेवा एवं अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत रूप से चर्चा की जायेगी।

दुर्ग से पलासा के लिए भी है सीधी ट्रेन की मांग

इन सबके अलावा दुर्ग भिलाई के लोगों की एक महत्वपूर्ण मांग भी है। दुर्ग से विजयनगरम होते हुए पलासा बरहमपुर तक एक सीधी ट्रेन की मांग बरसों से की जा रही है। आंध्र व ओड़िशा लाखों रहवासियों की यह एक महत्वपूर्ण मांग है जिसके लिए लगभग 20 वर्षों से भी अधिक समय से संघर्ष किया जा रहा है। कई सांसद बदल गए और केवल आश्वासन तक ही यह मांग सिमट गई है। दुर्ग के वर्तमान सांसद विजय बघले से आंध्र ओडिशा के लोगों की उम्मीद टिकी हुई है कि वे सोमवार को होने वाली बैठक में इस मुद्दे पर भी सार्थक पहल करेंगे।

मन की बात : पीएम मोदी बोले- आपातकाल में की गई संविधान की हत्या, 10 वर्षों में योग और भी हुआ भव्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (ए.)। पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 123वें एपिसोड में योग दिवस पर बात की और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सफलता का जिक्र किया। इसके साथ ही उन्होंने आपातकाल के 50 वर्ष होने पर भी अपने विचार साझा किए। पीएम मोदी ने कहा 'आप सब इस समय योग की ऊर्जा और 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' की स्मृतियों से भरे होंगे। इस बार भी 21 जून को देश-दुनिया के करोड़ों लोगों ने 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' में हिस्सा लिया। आपको याद है, 10 साल पहले इसका प्रारंभ हुआ। अब 10 साल में ये सिलसिला हर साल पहले से भी ज्यादा भव्य बनता जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि यह इस बात का भी संकेत है कि ज्यादा से ज्यादा लोग अपने दैनिक जीवन में योग को अपना रहे हैं। हमने इस बार योग दिवस की कितनी ही आकर्षक तस्वीरें देखी हैं। विशाखापत्तनम के समुद्र तट पर तीन लाख लोगों ने एक साथ योग किया। विशाखापत्तनम से ही एक और अद्भुत दृश्य सामने आया, दो हजार से ज्यादा आदिवासी छात्रों ने 108 मिनट तक 108 सूर्य नमस्कार किए। सोचिए, कितना अनुशासन, कितना समर्पण रहा होगा।'

'हिमालय की बर्फीली चोटियां और ITBP

के जवान, वहां भी योग किया, साहस और साधना साथ-साथ चले। गुजरात के लोगों ने भी एक नया इतिहास रचा। वडनगर में 2121 लोगों ने एक साथ भुजंगासन किया और नया रिकॉर्ड बना दिया। न्यूयॉर्क, लंदन, टोक्यो, पेरिस, दुनिया के हर बड़े शहर से योग की तस्वीरें आईं और हर तस्वीर में एक बात खास रही — शांति, स्थिरता और संतुलन। हमारे नौसेना के जहाजों पर भी योग की भव्य झलक दिखी।

'धार्मिक यात्राओं के लिए शुभकामनाएं'

'मेरे प्यारे देशवासियो, जब कोई तीर्थयात्रा पर निकलता है, तो एक ही भाव सबसे पहले मन में आता है, चलो, बुलावा आया है। यही भाव हमारे धार्मिक यात्राओं की आत्मा है। ये यात्राएं शरीर के अनुशासन का, मन की शुद्धि का, आपसी प्रेम और भाईचारे का, प्रभु से जुड़ने का माध्यम हैं। इनके अलावा, इन यात्राओं का एक और बड़ा पक्ष होता है। ये धार्मिक यात्राएं सेवा के अवसरों का एक महाअभियान भी होती हैं। जब कोई भी यात्रा होती है तो जितने लोग यात्रा पर जाते हैं, उससे ज्यादा लोग तीर्थयात्रियों की सेवा के काम में जुटते हैं। अभी कुछ दिन पहले हमने भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा भी देखी है। ओडिशा हो, गुजरात हो, या देश का कोई और कोना, लाखों श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल होते हैं। उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम, ये यात्राएं 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के भाव का प्रतिबिंब है। जब हम सच्चे मन से यात्रा करते हैं मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और जो लोग इन यात्राओं में सेवाभाव से जुटे हैं, उन्हें भी साधुवाद देता हूं।'

आपातकाल में लोगों को किया गया प्रताड़ित

पीएम मोदी ने कहा कि 'आपातकाल लगाने वालों ने ना सिर्फहमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया था। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। आखरिकार, जनता-जनार्दन की जीत हुई –आपातकाल हट लिया गया और आपातकाल थोपने वाले हार गए। बाबू जगजीवन राम जी ने इस बारे में बहुत ही सशक्त तरीक़े से अपनी बात रखी थी। जॉर्ज फर्नांडिस साहब को जंजीरों में बांधा गया। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गईं। मीसा के तहत किसी को भी गिरफ्तार कर लिया जाता था। छात्रों को भी परेशान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटा गया।

इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है पायलट का अनुभव

श्रीकंचनपथ

12 जून 2025 का दिन भारतीय उड्डयन इतिहास का एक काला दिन है। एक विशाल ड्रीमलाइनर इसी दिन उड़ान के कुछ ही सेकण्ड के भीतर क्रैश हो जाता है और 275 से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। एक लाख छब्बीस हजार लीटर एवियेशन फ्यूल से उठी आग की लपटें कयामत का नजारा करा जाती हैं। जले भुने इंसानी शवों की शिनाख्त के लिए डीएनए टेस्टिंग का सहारा लेना पड़ता है। पर यह संख्या और बड़ी, इससे कई गुणा बड़ी हो सकती थी। विमान जिस कोण (ट्रैजेक्टरी) पर उड़ान भर रहा था कि यदि उसे स्वाभाविक रूप से गिरने दिया गया होता तो वह 1200 बिस्तर वाले सरकारी अस्पताल पर गिरा होता। इतने बड़े अस्पताल में ओपीडी की भीड़ और स्टाफ को छोड़ भी दें तो आईपीडी में ही 2400 से ज्यादा मरीज और तीमारदार मौजूद थे। इन सभी की जानें जा सकती थीं। पायलट के पास चंद सेकण्ड का वक्त था निर्णय लेने के लिए। वो जानते थे कि विमान अब उड़ नहीं सकता और उसका क्रैश होना तय है। इसलिए क्रैश लैंडिंग ऐसी होनी थी कि नुकसान को कम किया जा सके। 56 वर्षीय पायलट कैप्टन सुमित सभरवाल ने तत्काल निर्णय लिया और विमान को अस्पताल से पहले खड़ी हॉस्टल वाली इमारत पर गिर जाने दिया। जो होना था वह हुआ पर वे अस्पताल में मौजूद हजारों लोगों की जिन्दगी बचाने में सफल रहे। कैप्टन सभरवाल के पास 1800 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव था। पायलट के लिए एक-एक सेकण्ड एक-एक घंटे का महत्व रखता है। जो बात 16 दिन बीतने के बाद हमें आज समझ में आ रही है, उसे समझने के लिए पायलट के पास केवल चंद सेकण्ड थे। जीवन में ऐसे मौके कई बार आते हैं जब क्षण भर में लिया गया फैसला आगे की जिन्दगी का पूरा रुख मोड़ देते हैं। कुछ कहने या फिर नहीं कहने के बीच का फासला भी एक क्षण का ही होता है। तत्काल व्यक्त की गई प्रतिक्रिया अकसर बात को संभालने की बजाय बिगाड़ देती है। कभी-कभी तो यह इतना बिगड़ जाता है कि उसके ठीक होने की संभावना ही पूरी तरह खत्म हो जाती है। अनुभव हमें सिखाता है कि कब प्रतिक्रिया देनी है और कब चुप रहना है। पर आजकल इसी अनुभव को ताक पर रख देने की नई परिपाटी चल पड़ी है। यह प्रमाणीकरण का दौर है। मेडिकल लैब के लिए एनएबीएल, मेडिकल सेवाओं के लिए एनएबीएच, महाविद्यालयों के लिए नैक से लेकर स्कूल, रेस्तरां, होटल सभी के लिए सर्टिफाइंग एजेंसियां स्थापित हो चुकी हैं। खाने-पीने की चीजों पर भी लाल हरे रंगों के डॉट लग रहे हैं। भारत श्रुत परम्पराओं का देश रहा है। यहां ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होती रही है। सर्टिफिकेशन के इस दौर ने सबसे ज्यादा नुकसान इसी परम्परा को पहुंचाया है। अनुभवी अब या तो डिप्रेशन में हैं या फिर खामोश हो गए हैं।

खास खबर...

संतोषी नगर में अवैध पोस्टर लगाने पर निगम की बड़ी कार्रवाई, अस्पताल व दुकानों पर लगा जुर्माना

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव के नेतृत्व में सहायक अभियंता नगर निवेष आशीष श्रीवास्तव, उप अभियंता राहुल थारानी की उपस्थिति में जोन 6 क्षेत्र में संतोषी नगर से तरुण बाजार मार्ग में लगे पोस्टर पर कुणाल मढ़रिया फिजिक्स केमिस्ट्री कोचिंग का पोस्टर लगाने पर नोटिस देकर 4000 रुपये, संतोषी नगर से तरुण बाजार रोड में लगे पोस्टर पर कटोरा तालाब रोड के मधुरम मोबाइल दुकान को नोटिस देकर 4000 रुपये, संतोषी नगर से तरुण बाजार मार्ग में विद्युत पोल पर पोस्टर लगाने पर भाठागांव अंडरब्रिज में पाम्पलेट लगाये जाने पर ओम साईराम हॉस्पिटल पर नोटिस देकर सम्पति विरूपण करने पर 5000 रुपये का चालान करने की कार्यवाही की गई।

अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही की नींव को उखाड़ा

रायपुर। जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह व नगर निगम रायपुर आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन-1 के अंतर्गत यतियतनलाल वार्ड क्रमांक 4 के क्षेत्र के अंतर्गत कुंभी समाज भवन के पास अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही जोन 1:जोन कमिश्नर डॉक्टर दिव्या चंद्रवंशी एवं अन्य सम्बंधित अधिकारीयों की उपस्थिति में की गयी। क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग के उद्देश्य से बनाई गयी नींव को जेसीबी मशीन की सहायता से उखाड़ा गया। वहाँ जाने का आवागमन मार्ग अबरुद्ध कर दिया गया।

वहीं यह कार्यवाही जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव सहित अन्य सम्बंधित जोन 6 अधिकारियों की उपस्थिति में की गयी। जोन 10 के अंतर्गत बोरियाखुर्द में अवैध प्लाटिंग के क्षेत्र में किये जा रहे अवैध निर्माण को तत्काल बन्द करवाकर भवन निर्माण सामग्री को जप्त करने की कार्यवाही जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे सहित अन्य सम्बंधित जोन अधिकारियों की उपस्थिति में की गयी।

भारी बारिश के बीच कलेक्टर-एसएसपी ने रायपुर शहर का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने रायपुर शहर का औचक निरीक्षण किया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर यातायात को सुव्यवस्थित करने स्थिति तथा व्यवस्था का जायजा ले रहे है। इस दौरान निगम आयुक्त विश्वदीप, सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित है। रायपुर में देर रात से सुबह तक रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। सुबह से घने बादल छाए हुए हैं। बारिश से कई इलाकों में जलभराव हो गया है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले 5 दिन छत्तीसगढ़ में हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है। सूरजपुर और बलरामपुर-रामानुजगंज में बिजली गिरने और हैवी रेन का यलो अलर्ट है। अन्य 31 जिलों में सिर्फ बिजली गिरने का यलो अलर्ट है।

छत्तीसगढ़ में मानसून का ग्राफ लगातार बढ़-घट रहा है। शुक्रवार को 24 से अधिक जिलों के 69 स्थानों पर बारिश हुई। औसतन बारिश 25.51 मिमी दर्ज की गई। तापमान की बात करें तो शुक्रवार को 31.2 डिग्री सेल्सियस के साथ दुर्ग सबसे गर्म रहा। वहीं 22.2 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ पेण्ड्रा सबसे ठंडा रहा।

कलेक्टर के निर्देश पर चिकित्सा शिक्षा के लिए ऑनलाइन उन्मुखीकरण

रायपुर जिलाधीश डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार फोर्टिस हॉस्पिटल गुरुग्राम के रक्तरोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल भार्गव के सहयोग एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी के मार्गदर्शन में प्रत्येक गुरुवार दोपहर 03-04 बजे तक जिले के समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में कार्यरत मेडिकल ऑफिसर का एनिमिया एवं अन्य रक्त विकारों के नवीनतम नैदानिक एवं उपचार प्रोटोकॉल का ऑनलाइन उन्मुखीकरण किया जा रहा है।

यह उन्मुखीकरण सत्र में समय अनुरूप सही पहचान एवं रोकथाम के साथ एनिमिया के नवीनतम प्रबंधन के लिये केस प्रेजेन्टेशन किया जा रहा है जिससे जिले में एनीमिया के रोकथाम के लिए मद्द मिलेगी। एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर की लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या सामान्य से कम हो जाती है एवं शरीर के अंगों में आक्सीजन की सप्लाई प्रभावित होती है जिससे पीड़ित व्यक्ति के शारिरिक एवं मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। गंभीर स्थिति में यह जीवन के लिये खतरा भी हो सकता है। आयरन एवं विटामिन बी-12 की कमी एनीमिया के मुख्यत: कारण होते हैं। अनुवांशिक रक्त विकार जैसे कि सिकल सेल अनिमिया, थैलेसिमिया के साथ कुछ पुरानी बिमारियाँ जैसे कि किडनी रोग, कैंसर, यकृत के विकार, हिमोमिसिस की स्थिति जैसे हेमोलिटिक एनीमिया भी एनिमिया के कारण हो सकते है। यह सप्ताहिक सत्र एनिमिया के दुष्प्रभाव को कम कर सरकारी डॉक्टरों को कुशलता प्रदाय करेगा, जिससे कि जिले में डॉक्टरों की दक्षताओं को बढ़ाने एवं बनाये रखने में मद्दगार सबित होगा।

सरकारी राशन लेने वाले 30 लाख से अधिक सदस्यों के नाम हो जाएंगे ऑटोमेटिक ब्लॉक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार ने उचित मूल्य दुकानों के कार्ड सदस्यों को ई-केवाईसी कराने के लिए अंतिम तारीख 30 जून तय की है। इस तारीख तक केवाईसी नहीं कराने वाले सदस्यों के नाम ऑनलाइन सिस्टम में ऑटोमेटिक ब्लॉक हो जाएंगे, क्योंकि केवाईसी की अंतिम तारीख आगे बढ़ाने संबंधी अभी तक कोई नया आदेश जारी नहीं हुआ है। इधर अगर केवाइसी कराने की तारीख आगे नहीं बढ़ती है, तो छत्तीसगढ़ में भी 30 लाख से ज्यादा सदस्यों के नाम ब्लॉक हो जाएंगे, जिसके बाद उन्हें दुकानों से राशन भी नहीं मिल पाएगा।

8163666 राशन कार्ड जारी, इनमें 27361287 सदस्य पंजीकृत : प्रदेश में 81 लाख 63 हजार 666 राशन कार्ड जारी किए गए हैं। इनमें पंजीकत सदस्यों जहां कहीं अधिकारी और कहीं कर्मचारी अनुपस्थित मिले। हालांकि इन दफ्तरों में उपस्थित ज्यादातर कर्मचारी ने अधिकारियों के फील्ड या मीटिंग में जाने की बात कही, वहीं कुछ कर्मचारी ऐसे मिले जो अपने व्यक्तिगत काम से

घर गए हुए थे। पत्रकारों की एक टीम शुक्रवार को अपरान्ह 3 बजे कलेक्टोरेट के विभिन्न विभागों के दफ्तरों में पहुंची। इस दौरान आदिवासी विकास विभाग, योजना एवं सांख्यिकी विभाग, अंत्यावसायी विभाग, आबकारी, खनिज, खाद्य, राजस्व, वित्त, डाकघर सहित अन्य विभागों के दफ्तरों में अधिकारी और कर्मचारियों की उपस्थिति की पड़ताल की।

इस पड़ताल के दौरान टीम ने ड्यूटी आने वाले तथा गायब रहे अधिकारी एवं कर्मचारियों के बारे में दफ्तरों में उपस्थित कर्मचारियों से पूछताछ भी की। इस पूछताछ में आदिवासी विकास विभाग में अधिकारी नहीं मिले, वहीं कुछ कर्मचारी छुट्टी पर तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित मिले। अधिकारी के संबंध में पूछने पर बताया गया कि वह किसी मीटिंग में गए हुए हैं। इसी प्रकार समग्र शिक्षा विभाग, योजना एवं सांख्यिकी तथा अंत्यावसायी विभाग में अधिकारी सहित सभी कर्मचारी उपस्थित मिले।

विभाग के जारी निर्देश में कहा है कि ई-केवाईसी की समय-सीमा तय कर दी गई है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि प्रदेश में भी जल्द इसी प्रकार की कार्रवाई अमल में लाई जा सकती है. जिन कार्ड सदस्यों ने अभी तक केवाईसी नहीं कराया है, उनके लिए यह 3 दिन अंतिम अवसर है। रायपुर जिले में भी अभी तक 3 लाख 53 हजार सदस्यों ने केवाईसी नहीं कराया है। जिले में कुल 6 लाख 45 हजार 628 कार्ड जारी किए गए हैं, इनमें पंजीकृत सदस्यों की संख्या 22 लाख 31 हजार 203 है। इस तरह लगभग 84.32 प्रतिशत सदस्यों का केवाईसी हो चुका है, वहीं करीब 15.87 प्रतिशत सदस्यों का केवाइसी लंबित है। पात्र कोई भी सदस्य राशन लेने से वंचित नहीं हो, इसके लिए सरकार ने केवाइसी के लिए मोबाइल एप भी शुरू किया है, जिसका नाम मेरा ईकेवाइसी राशन कार्ड है। इस एप को प्लेय स्टोर गुगल से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। इस एप को डाउनलोड करने के बाद मोबाइल का लोकेशन ऑन कर ऑप्शन में राज्य चुनना है, फिर आधार नंबर डालना है। ओटीपी आने पर नंबर और कैप्चा डिटेल डालकर फेस केवाइसी में क्लिक करना है। क्लिक करते ही केवाइसी हो जाएगा।

परेशानी से बचने करा लें ईकेवाईसी

सरकार ने ईकेवाईसी की अंतिम तारीख 30 जून तय की है। यह तारीख संभवत: आखरी हो सकती है, क्योंकि अभी तक तारीख बढ़ाने संबंधी कोई आदेश नहीं आया है। परेशानी से बचने तय तारीख तक करा ले केवाइसी। सदस्य मोबाइल एप से आसानी से घर बैठे कर सकते हैं केवाइसी।

इसलिए जरूरी है ईकेवाईसी

ई-केवाईसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें आधार से जुड़े मोबाइल नंबर के माध्यम से डिजिटल सत्यापन किया जाता है। इस प्रणाली के माध्यम से यह तय किया जाता है कि लाभार्थी वास्तविक, जीवित और पात्र है या नहीं। इसके जरिए फर्जी, मृत अथवा दोहरे राशन कार्ड धारकों की पहचान कर उन्हें सूची से बाहर किया जा सकता है।

विशेष अभियान चलाकर छूटे सदस्यों का बनाया जा रहा है आयुष्मान कार्ड

बहुल्य ग्रामों में 15 जून से चलाया जा रहा है विशेष अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, भारत सरकार के निर्देश पर वर्तमान वर्ष को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। गत् 15 जून से 30 जून 2025 तक धरती आबा, जानजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान आदिवासीय विकास विभाग छग के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें राज्य के अन्य महत्वपूर्ण विभाग भी अपनी भागीदारी निभा रहे है। विशेष तौर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अधिनस्थ कर्यरत राज्य नोडल एजेंसी द्वारा पूरे प्रदेश के आदिवासीय बाहुल्य ग्रामों में छूटे अदिवासियों का आयुष्मान कार्ड पंजीयन जोर-शोर से जारी है।

आदिवासीय विकास विभाग छ.ग. से प्राप्त सूची के अनुसार प्रदेश में कुल 85 आदिवासी बाहुल्य विकास खण्ड है व प्रदेश में 6691 चिन्हांकित गांव है जहां जनजातीय समुदाय की बहुतायत है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के अनुसार इन समस्त गांवों में प्रत्येक घर तक राज्य सरकार के लोग पहुंच रहे है। जिसका उद्देश्य भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित अलग-अलग योजनाओं से आदिवासियों को हर हाल में जोडना है।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना एवं मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से जनजातीय समूहों को जोडने के लिए राज्य नोडल एजेंसी छ.ग. द्वारा विशेष अभियान जारी है। 15 जून से मितानिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत कर्मियों के जरिए ऐसे आदिवासी जिनका आयुष्मान कार्ड नहीं बन सका है। उन सभी का आयुष्मान कार्ड पंजीयन कराया जा रहा है। अभी तक कुल 4,763 गांवों में कैम्प लगाया जा चुका है। इस दौरान जनजातीय समूह के 20,988 आयुष्मान कार्ड का पंजीयन किया जा चुका है। यह अभियान अगामी 30 जून 2025 तक जारी रहेगा।

हिंसा से उबर कर अब बदलाव की राह पर बस्तर

लाल आतंक के खात्मे के लिए नक्सलियों के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई जोर-शोर से जारी है, जिसका परिणाम है कि नक्सलियों की कमर अब टूट गई है। प्रदेश से जब तक नक्सली हिंसा और उग्रवाद का अंत नहीं हो जाता हम चुप नहीं बैठेंगे।

-श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

तीन दशकों के आतंक और दहशत का खत्म हो रहा दौर, छत्तीसगढ़ में तेजी से सिमट रहा नक्सली हिंसा का दायरा

आदिवासी बाहुल्य आबादी, अनुपम नैसर्गिक सुंदरता और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर बस्तर में आज विकास का सबसे बड़ा अवरोधक है नक्सली हिंसा। पिछले 3 दशकों में नक्सलियों ने यहां अपने पैर पसारे। बंदूक के दम पर हिंसा के साथ विकास कार्यों में बाधा पहुंचाई। नक्सलियों ने अपने झूठे और खोखले सिद्धांतों के जरिए लंबे समय तक भोले- भाले आदिवासियों को भ्रम में डाला। हिंसा का सहारा लेकर उन्हें डराने की कोशिश की। बच्चों से उनके स्कूल छीने, उनका बचपन छीना, उन्हें हिंसा की राह पर धकेला। कई परिवारों को बर्बाद किया, सुहागनों के सिंदूर उजाड़े। बेटियों को अगवा किया और उन्हें भी हिंसा के रास्ते पर ले गए। इसी वजह से संसाधनों से परिपूर्ण बस्तर पर देश के सबसे पिछड़े इलाकों में एक होने का धब्बा लगा। लेकिन अब छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ विकास के इस अवरोध को पूरी तरह से समाप्त करने पर डटी हुई है। अब वह दिन दूर नहीं जब नक्सलवाद की काली छाया छत्तीसगढ़ से पूरी तरह मिट जाएगी। बस्तर में विकास का नया सवेरा अब होने ही वाला है। यहां नक्सलियों की कमर टूट चुकी है, अब बस इसका समूल खात्मा बाकी है, जिसकी डेड लाइन भी तय हो चुकी है। मजबूर आदिवासी ग्रामीणों पर हुए इन अत्याचारों का अब हिसाब होने वाला है। उन्हें अब न्याय मिलेगा। उन्हें अब अपना खुशहाल बस्तर मिलेगा, जो इन हिंसा वादियों के चंगुल से पूरी तरह मुक्त होगा और विकास के रास्ते पर पूरी गति से आगे बढ़ेगा। छत्तीसगढ़ में सिमटते हुए नक्सलवाद के अतीत पर अगर गौर करें तो यह बेहद दर्दनाक रहा है। नक्सली हिंसा की वजह से बस्तर के स्थानीय लोगों ने करीब तीन दशकों तक बहुत कुछ सहा है। बहुत सी ऐसी कड़वी यादें हैं जो कभी भी भुलाई नहीं जा सकतीं, और इन्हें जब भी याद करें तो नक्सलियों को परास्त करने का हौसला और भी मजबूत हो जाता है। पुलिस और सुरक्षा बलों के जवान पूरे हौसले के साथ नक्सल मोर्चे पर डटे हैं और अब जल्द ही नक्सलियों का समूल अंत होगा।

खुल रहे स्कूलों के द्वार

झूठे सिद्धांतों की दुहाई देने वाले नक्सली, बच्चों की शिक्षा के भी घोर विरोधी रहे हैं। उन्हें हमेशा यह डर रहा है कि यदि बस्तर की नई पीढ़ी पढ़ लिखकर जागरूक हो जाएगी, तो उनके बहकावे में नहीं आएगी। इसी भय के चलते नक्सली शिक्षा के मंदिरों पर हमले करते, उन्हें तोड़ते और बच्चों को स्कूल जाने से रोकते थे। विगत 20 वर्षों में नक्सलियों ने 200 से अधिक स्कूल भवनों को क्षतिग्रस्त किया। अब बस्तर संभाग में करीब साढ़े तीन सौ बंद पड़े स्कूलों को दोबारा शुरू किया गया है।

नक्सल मोर्चे पर मिली सफलता
(दिसंबर 2023 से अब तक)

न्यूट्रलाइज किए गए नक्सली	436
गिरफ्तार	1457
आत्मसमर्पण	1432
जप्ती माइंस	673
जप्ती हथियार	555
स्थापित कैंप	64

बारूदी सुरंगें बिछाकर फैलाई तबाही

विकास के विरोधी रहे नक्सली नहीं चाहते कि बस्तर में किसी भी तरह का अधोसंरचना विकास हो, इसलिए वह विस्फोटकों का सहारा लेकर पुल- पुलिया, सड़कों और सड़क निर्माण में लगे वाहनों- मशीनरी को तबाह करते। इसके साथ ही बस्तर में जगह-जगह बारूदी सुरंगें बिछाकर मानवता को भी तबाह करने की कोशिश की। उनके बिछाए बारूदी सुरंगों की चपेट में आने से सुरक्षा बलों के जवानों सहित कई निर्दोष ग्रामीणों व बेजुबान मवेशियों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी। इन बारूदी सुरंगों को निष्क्रिय कर नष्ट करना बड़े-बड़े चुनौती भी रही। इस प्रक्रम में बड़ी कुर्बानी भी हमारे पुलिस व सुरक्षा बलों के जवानों को देनी पड़ी है। वर्ष 2003 से अब तक आईईडी के चपेट में आने से कुल 147 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 306 लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। वहीं अब तक कुल 4,173 लैंड माइंस रिकवर की गई हैं।

नक्सल घटनाओं में हुई क्षति

	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक)	(दिसंबर 2023 से अब तक)
नक्सली और जवानों के बीच मुठभेड़	3,458	209
शहीद जवानों की संख्या	1,473	44
नक्सल घटना में मारे गए सिविलियन	1,941	89
घायल सिविलियन की संख्या	759	24
आईईडी के कारण मारे गए लोगों की संख्या	135	12
आईईडी के कारण घायल लोगों की संख्या	287	19
आगजनी की घटना	767	20
सड़क निर्माण में लगे पोकलेन जलाए	149	
सड़क निर्माण मे लगे वाहन जलाए	2,057	27
पुल-पुलिया तोड़े	220	8
स्कूल, अस्पताल व अन्य शासकीय भवन तोड़े	208	
मोबाईल टावर उड़ाए	34	11

सुशासन से समृद्धि की ओर... मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए Q.R. Code स्कैन करें

बस्तर के इतिहास में लाल रंग में दर्ज हैं यह तारीखें

28 फरवरी 2006 — दरभागुड़ा, जिला- सुकमा
ग्राम दोरनापाल में आयोजित सलवा जुडूम जन जागरण अभियान से 4 ट्रकों में कोंटा के ग्रामीण अपने अपने गांव वापस हो रहे थे, कि एर्राबोर थाना क्षेत्र के ग्राम दरभागुड़ा के समीप नक्सलियों द्वारा बारूदी सुरंग विस्फोट किया गया, जिसमें 28 ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में अन्य 27 ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हुए थे। 3 ट्रकों को आग के हवाले कर दिया गया था।

24 मार्च 2006 — संगम, जिला- सुकमा
थाना पखांजूर क्षेत्र के ग्राम संगम में साप्ताहिक बाजार से ग्रामीण बाजार कर जीप से पखांजूर लौट रहे थे। इसी दौरान घोडागांव एवं संगम गांव के मध्य नक्सलियों द्वारा बम विस्फोट कर जीप को उड़ा दिया गया। इस घटना में 13 ग्रामीणों की मौत हो गई और 4 ग्रामीण घायल हुए थे।

25 अप्रैल 2006 — मनीकोंटा, जिला- सुकमा
थाना दोरनापाल के राहत शिविर में रह रहे ग्राम मनीकोंटा के 50-60 ग्रामीण सामान लेकर वापस आ रहे थे, कि नक्सली उन्हें अगुआ कर पकड़ ले गए। नक्सलियों ने इनमें से 15 ग्रामीणों की हत्या कर दी थी।

16 जुलाई 2006 — एर्राबोर, जिला- सुकमा
थाना एर्राबोर राहत शिविर कैंप में अज्ञात लगभग डेढ़ हजार नक्सली व संघम सदस्यों द्वारा गोलीबारी के साथ हमला कर दिया। नक्सलियों द्वारा 220 घरों को आग के हवाले कर दिया था, जिससे राहत शिविर में रह रहे 6 एसपीओ, 1 स्वास्थ्य कार्यकर्ता व 17 ग्रामीण मारे गए थे। इनके अलावा 47 अपहृत ग्रामीणों में से 6 की हत्या कर दी गई और 20 घायल ग्रामीणों में से 3 ने ईलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

15 मार्च 2007 — रानीबोदली, जिला- बीजापुर
नेशनल पार्क दलम के नक्सली कमाण्डर व करीब 500 अन्य नक्सलियों ने हथियार लूटने की नीयत से रानीबोदरी में सुरक्षा बलों के कैम्प पर सशस्त्र हमला किया। स्वचलित अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोली-बारी की गई, जिससे कैम्प तबाह हो गया और वहां तैनात छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 9वीं वाहिनी सी कम्पनी कैम्प के 55 जवान शहीद हो गए थे।

16 मई 2010 — चिंगावरम, जिला- सुकमा
सुकमा से जिला पुलिस बल एवं एसपीओ की संयुक्त पुलिस पार्टी गादीरास थाना क्षेत्र में भूसारास से मुकमा की ओर लौट रही थी। इसी दौरान चिंगावरम के पास नक्सलियों द्वारा उस बस को निशाना बनाया गया जिसमें पुलिस जवान सवार थे। घटना में 11 आरक्षक, 1 एसएसबी वेटनरी फिल्ड असिस्टेंट व 4 एसपीओ शहीद हो गए थे। इस घटना में 15 निर्दोष ग्रामीण भी मारे गए।

6 अप्रैल 2010 — ताड़मेटला, जिला- सुकमा
चिंतलनार में तैनात 62 वीं वाहिनी सीआरपीएफ के बी कंपनी द्वारा एरिया डॉमिनेशन व नक्सली गश्त सर्चिंग अभियान के दौरान ताड़मेटला पहाड़ी जंगल क्षेत्र में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई। फोर्स की सहायता हेतु चित्तलनार कैम्प से अन्य पार्टी रवाना हुई थी, कि रास्ते में ही नक्सलियों द्वारा फायरिंग शुरू कर दी और बुलेट प्रुफ वाहन को विस्फोट कर क्षतिगस्त कर दिया। उक्त घटना में सीआरपीएफ के 75 जवान व जिला पुलिस बल के 1 प्रधान आरक्षक शहीद हुए थे।

29 जून 2010 — राकस नाला, जिला- नारायणपुर
कैम्प थौड़ाई से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की पार्टी रोड ओपनिंग हेतु ग्राम झारा की ओर से वापस आ रही थी। इसी समय राकस नाला के पास पूर्व से घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने हथियार लूटने की नियत से अंधाधुन्ध फायरिंग की। पुलिस पार्टी द्वारा भी तत्काल पोजिशन लेते हुए फायर का जवाब दिया गया। इस घटना में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 27 जवान शहीद हो गए थे।

9 जुलाई 2007 — रेगड़गट्टा, जिला- सुकमा
थाना एर्राबोर से जिला बल, सीआरपीएफ एवं एसपीओ के साथ दो पार्टी नक्सली गश्त- सर्चिंग के लिए रवाना हुई थी कि, एरांचोर से लगभग 12-15 किलोमीटर दूरी पर उत्पलमेटा पहाड़ी के पास नक्सली व पुलिस पार्टी के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान जिला बल के 2 जवान, 6 एसपीओ व सीआरपीएफ के 15 कुल 23 जवान शहीद हुए और 2 सीआरपीएफ जवान व 5 एसपीओ घायल हुए।

24 अप्रैल 2017 — चिंतागुफा, जिला- सुकमा
बुरकापाल कैम्प से सीआरपीएफ के 71 जवान और जिला बल का 1 जवान संयुक्त बल रोड निर्माण पार्टी की सुरक्षा हेतु चिंतागुफा की ओर रवाना हुए थे। इसी बीच करीब 200-250 हथियार बंद नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया। सुरक्षा बलों द्वारा जवाबी कार्यवाही की गई, लेकिन दुर्भाग्यवश घटना में सीआरपीएफ 74 वाहिनी के 25 जवान शहीद हो गए। इस घटना में नक्सली बड़ी तादाद में सुरक्षा बलों के हथियार भी लूट कर ले गए थे।

RO. No.44369/102

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

शासकीय नागरिक कल्याण महा. में विभिन्न कार्यो के लिए 39.90 लाख रूपए स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अहिवारा विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए अहिवारा विधानसभा में शासकीय नागरिक कल्याण महाविद्यालय नंदिनी नगर अहिवारा में विभिन्न कार्यों के लिए 39 लाख 90 हजार रूपए स्वीकृत किया गया है। विधानसभा अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा की जाएगी। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार शासकीय नागरिक कल्याण महाविद्यालय, डिजिटल अध्ययन कक्ष निर्माण के लिए 24 लाख 80 हजार रूपए एवं सार्वजनिक वाटर पेयजल की स्थापना के लिए 5 लाख 25 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

संभागायुक्त और कलेक्टर का औचक दौरा

भिलाई। संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर और कलेक्टर अभिजीत सिंह सूर्या माल के पीछे निर्मित आवास का निरीक्षण करने आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के साथ पहुंचे। बड़ी संख्या एवं खुले क्षेत्र में निर्मित आवासों को देखकर संभाग आयुक्त एवं कलेक्टर प्रसन्नता जाहिर किये । प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक अंतर्गत 1120 यूनिट सूर्य विहार के पीछे और 810 यूनिट माइलस्टोन के पास आवासों का संयुक्त निरीक्षण निगम के टीम के साथ किए। 1120 यूनिट अंतर्गत निर्माणाधीन मकान को त्वरित रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जो हितग्राही शिफ्ट हो गए हैं उनके स्थाई रूप से पानी, बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा गया। इसके पश्चात 810 यूनिट माइलस्टोन के पास के आवासों का निरीक्षण किया गया । जिसमें निगम भिलाई को पूर्ण किस्त जमा किए गए लगभग 115 हितग्राहियों के मकान को पहले पूर्ण करके हितग्राहियों को सौंपने के लिए निर्देश दिए गए। कलेक्टर महोदय कुरूद स्थित सीबीजी प्लांट स्थल का निरीक्षण निगम आयुक्त के साथ किए एवं आवश्यक दिशानिर्देश दिए ।

भिलाई विद्यालय में पीटीए का गठन

अध्यक्ष-उपाध्यक्ष सहित 11 सदस्यों की बनी समिति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेक्टर-2 स्थित भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित भिलाई विद्यालय में शनिवार को पालक शिक्षक समिति का गठन किया गया। शैक्षिणिक वर्ष 2025-26 के लिए कुल 11 सदस्यों को पीटीए में शामिल किया गया है। स्कूल में पढ़ने वालो सैकड़ों बच्चों के अभिभावकों व शिक्षकों की उपस्थिति में पीटीए गठन की प्रक्रिया पूरी की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीएसपी के अधिकारी सरोज कुमार झा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत संगीत शिक्षक सतीष मिश्रा और रजनी रजक के मार्गदर्शन में छात्राओं द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत कर किया गया। शाला के प्राचार्य विजय सिंह पवार ने पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से शाला की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं आगामी सत्र के कार्ययोजना की जानकारी दी।

कोषाध्यक्ष सरिता कुमारी शाक्या ने पिछले सत्र 2024- 25 के आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। पिछली समिति को भंग कर सत्र 2025- 26 के लिए नई पालक शिक्षक समिति के गठन की प्रक्रिया की गई।

भिलाई विद्यालय पीटीए के अध्यक्ष के रूप में नारायण सिंह राजपूत का चुनाव किया गया। के मोहन राव व भुवनेश्वरी देवांगन पीटीए के उपाध्यक्ष चुने गए। इसके साथ ही संतोष सिंह, साबिर अली, कविता बराक, सीमा भगत व प्रभाष चंद्रदास सदस्य नामित किए गए। भिलाई विद्यायल के प्राचार्य विजय सिहं पवार द्वारा समिति में शिक्षक देवेन्द्र कुमार साहू, पवन कुमार अग्रवाल व संगीता मिश्रा को मनोनित सदस्य नियुक्त किया। वहीं पीटीए के पदेन सचिव प्राचार्य विजय सिंह पवार व पदेन कोषाध्यक्ष वरिष्ठ शिक्षिका सरिता साख्या होंगी। सभी पदाधिकारियों का एक वर्ष का कार्यकाल होगा। गठित पीटीए स्कूल की शैक्षिणिक गतिविधियों व स्कूल के विकास की दिशा में कार्य करेगी। नए पदाधिकारियों की नियुक्ति के बाद सभी शाला विकास के लिए कार्य करने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सरोज कुमार झा ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि वे पिछले 25 वर्षों से भिलाई विद्यालय के कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। उनकी शिक्षा भी भिलाई विद्यालय में पूरी हुई और वर्तमान में भिलाई स्टील प्लांट के अधिकारी हैं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान स्कूल की पीटीए गठन प्रक्रिया की सराहना की। साथ ही उन्होंने सभी नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। चुनाव प्रक्रिया एवं नियमों से अवगत कराते हुए सुरेंद्र कुमार खोबरागड़े ने कार्यक्रम का संचालन किया।

निशी शिवप्पा और सरवन कुमार साहू ने उपस्थित सदस्यों का पंजीयन कराया। नेहा सिंह, अर्पिता दास और भावना ने स्कोर बोर्ड का दायित्व निभाया। देवेन्द्र कुमार साहू वरिष्ठ व्याख्याता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस मौके पर स्कूल की सभी शिक्षिकाएं व बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

प्राचार्य ने दिया पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन

इससे पहले प्राचार्य विजय सिंह पवार ने भिलाई विद्यालय की उपलब्धियों पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया। प्रचार्य पवार ने बताया कि भिलाई विद्यालय शहर का सबसे पुराना स्कूल हैं। संयंत्र की स्थापना के बाद 1958 में भिलाई विद्यालय की शुरुआत हुई। तब से अब तक पूरे 68 सालों में स्कूल से पढ़कर कई होनहार छात्र निकले। प्राचार्य पवार ने बताया कि स्कूल में शैक्षिणिक गतिविधियों के साथ बच्चों के स्किल डेवलपमेंट को लेकर भी कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में स्कूल में कंप्यूटर लैब बनाया गया है जिससे की बच्चे कंप्यूटर स्किल में भी बेहतर कर सके। प्राचार्य पवार ने अंत में पीटीए के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा महोत्सव में शामिल हुए विधायक देवेंद्र, सुख समृद्धि के लिए जगन्नाथ स्वामी से की कामना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर में भगवान श्रीजगन्नाथ की रथ यात्रा महोत्सव इस वर्ष अत्यंत भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया। सेक्टर 6 एवं सेक्टर 4 मंदिर से प्रारंभ हुई इस रथ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरा वातावरण जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंज उठा और भक्ति भाव से सराबोर हो गया।

इस अवसर पर भिलाई नगर विधायक माननीय देवेंद्र यादव एवं नगर निगम भिलाई के महापौर नीरज पाल ने रथ यात्रा में भाग लेते हुए प्रभु श्रीजगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना की और रथ खींचा। जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस धार्मिक आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया।

रथ यात्रा का आयोजन युवा खेल एवं सांस्कृतिक मंडल द्वारा किया गया। समिति के सदस्यों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ आयोजन की तैयारी की थी। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पेयजल, छाया, स्वास्थ्य सेवा और सुरक्षा व्यवस्था का समुचित प्रबंध किया गया था।

भव्य रथ यात्रा में रंग-बिरंगी झांकियाँ, भजन-कीर्तन और लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ मुख्य आकर्षण रही। विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भंडारा, प्रसाद वितरण और स्वागत द्वार की व्यवस्था की। पूरा मार्ग पुष्प वर्षा से सुसज्जित किया गया था, जिससे माहौल और भी भक्तिमय हो गया।

धोती कुर्ता में नजर आए विधायक : विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि रथ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सामाजिक एकता, शांति और सद्भावना का प्रतीक है। । यह आयोजन भिलाई नगर की धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रमाण है। रथ यात्रा ने लोगों में भक्ति, सेवा और परस्पर सहयोग की भावना को प्रबल किया। आयोजन की सफलता में प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर निगम, स्वयंसेवी संस्थाओं और नागरिकों का विशेष योगदान रहा।

समाप्ति पर आरती और महाप्रसाद वितरण के साथ रथ यात्रा का समापन किया गया। भिलाईवासियों के लिए यह दिन आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक समरसता से परिपूर्ण रहा।

संपत्ति कर जांच एवं कर वृद्धि हेतु विशेष पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई सभागार कक्ष में संपत्तिकर स्व विवरणी जांच के संबंध में आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के उपस्थिति में प्रशिक्षण आयोजित हुआ । आयुक्त पांडेय ने बताया कि संपत्तिकर निर्धारण के लिए शहर को 4 जोन आवासीय, व्यवसायिक, आवासीय व्यवसायिक, औद्योगिक में वर्गीकरण किया गया है, जिसका संपत्ति कर का दर अलग-अलग है। भूमि स्वामी द्वारा स्वविवरणी भरकर जमा किया गया है तो 60 दिवस के अंदर जांच नहीं किया जाता है। तत्पश्चात जांच अनुसार क्षेत्रफल में 10 प्रतिशत से अधिक का अंतर आने पर 5 गुना पेनाल्टी का प्रावधान है। पेनाल्टी से बचने के लिए निर्मित मकान/ दुकान/उद्योग के संपत्ति कर का सुधार नगर निगम भिलाई से करा लेवे। डायवर्टेड खुली भूमि, अवैध निर्मित मकान/ दुकान का भी संपत्ति कर का प्रावधान है। निशक्तजन हेतु 25 प्रतिशत का छूट है साथ ही विधवा, परित्यक्ता और तलाकशुदा महिलाओं हेतु 50 प्रतिशत का छूट प्रावधानित है। बीएसपी द्वारा स्वविवरणी प्रस्तुत किया गया है जहां भी संशय की स्थिति होगी जांच किया जाएगा। स्वच्छता और पेयजल आपूर्ति एवं अन्य आवश्यक कार्य में संलग्न कर्मचारियों को छोड़कर शेष लोगों की ड्यूटी संपत्ति कर वसूली हेतु लगाई जाएगी। आम नागरिकों से अपील है जांच के पूर्व अपना संपत्तिकर संबंधी त्रुटि सुधार करा लेवे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं स्कूल चलो अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वैशाली नगर, भिलाई में किया गया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षित कर उन्हें समाज में सम्मान दिलाना, लिंगानुपात में सुधार लाना तथा उनके भविष्य के लिए वित्तीय एवं शैक्षणिक सुरक्षा सुनिश्चित करना था। कार्यशाला में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा, और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया गया। सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से बालिकाओं की वित्तीय सुरक्षा और भविष्य की शिक्षा को लेकर जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि कोई भी महिला जो घरेलू या बाहरी संकट से जूझ रही हो, वह सखी वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से एक ही छत के नीचे परामर्श, चिकित्सा, विधिक सहायता, पुलिस सहायता एवं आश्रय जैसी सेवाएं प्राप्त कर सकती है। महिलाओं के लिए हेल्पलाइन नंबर 181 और बच्चों के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की जानकारी भी दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाएं जैसे महतारी वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना तथा सुकन्या समृद्धि योजना की भी विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को दी गई।

भिलाई इस्पात संयंत्र के 21 कार्यपालकों को दी गई भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के खदानों सहित विभिन्न विभागों में पदस्थ 21 कार्यपालकों के 30 जून 2025 को सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में उन कार्यपालकों हेतु विदाई समारोह का आयोजन 28 जून 2025 को इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार तथा सेफी चेयरमेन एवं ओए-बीएसपी के अध्यक्ष एन के बंछोर ने कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेश और सेवा प्रमाण पत्र प्रदान किया तथा उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों ने सेल में अपने सेवा अनुभव और सेवानिवृत्ति के बाद भविष्य की योजनाओं को भी साझा किया। जून 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले कार्यपालकों में शामिल हैं-महाप्रबंधक पूर्ण चंद्र बाग, महाप्रबंधक विजय कुमार शर्मा, महाप्रबंधक सुधाकर नंदकर, महाप्रबंधक रमेश प्रसाद अहिरवार, महाप्रबंधक सुमिता डे, महाप्रबंधक सनत कुमार बाला, उप महाप्रबंधक प्रशांत जोशी, सहायक महाप्रबंधक सुभाष भाई पटेल, सहायक महाप्रबंधक डोमार सिंह साहू, सहायक महाप्रबंधक बीजू जॉर्ज, सहायक महाप्रबंधक जय प्रकाश पांडे, सहायक महाप्रबंधक प्रवींद्र कुमार कांबले, सहायक महाप्रबंधक शांति स्वरूप मिश्रा, सहायक महाप्रबंधक रजत कुमार बनर्जी, सहायक महाप्रबंधक भीमराव फुसे, वरिष्ठ प्रबंधक प्रशांत कुमार देशपांडे, वरिष्ठ प्रबंधक के निखाले, वरिष्ठ प्रबंधक ताल सिंह वर्मा, प्रबंधक अजीत कुमार किंडो, प्रबंधक अरविंद ताराचंद रामटेके, जेओ गोवर्धन लाल टंडन आदि है।

विधायक देवेन्द्र ने किया संविधान चौक का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रिसाली सेक्टर के हॉस्पिटल चौक में छत्तीसगढ़ मातृशक्ति संगठन के द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस एवं सविधान चौक लोकार्पण 28 जून को किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में विधायक देवेंद्र यादव, महापौर शशि सिन्हा, विशेष अतिथि सभापति केसव बंछोर, एमआईसी संजू नेताम, एमआईसी जमुना ठाकुर,एमआईसी सनीर साहू विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र परगनिया उपस्थित हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत जननायकों में पुल्ल अर्पित कर संविधान प्रस्तावना की व्याख्यान कर किया गया व अतिथियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात संविधान चौक का लोकार्पण विधायक देवेंद्र यादव जी के द्वारा किया गया व भारतीय संविधान से समस्त देशवासियों को मिली उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। महापौर शशि सिन्हा जी ने संविधान चौक के सौंदर्यीकरण के लिए 4 रुपये राशि की घोषणा एवं वीरांगना रानी दुर्गावती को आत्मसात करने की अपील की। प्रवक्ता सारदा रामटेके ने रानी दुर्गावती जी के जीवनसंघर्ष पर प्रकाश डाला। दिनेश्वरी भुआर्य ने जनगीत के माध्यम से जननायको को याद किया। राजेन्द्र परगनिया ने स्वागत भाषण किया। मंच संचालन चन्द्रकला तारम व सीमा साहू ने किया।

पल्लवी ठाकुर,दीपेश्वरी चनाप डालिया ढाले,प्रमिला सुधाकर,सविता मेश्राम, मुलेश्वरी कोलियारा, बसंती लता साहू, रामेश्वरी ठाकुर,भावना पुसरिया, कौशिल्या देशलहरा माधुरी अहेरवाल मंजू ठाकुर,प्रतिमा दामले, अनीता साहू,लक्ष्मी कुंजाम,लीना ध्रुर्वे,गायत्री ठाकुर,पेमीन बाई,गौतरहीन बाई, सुरजा बाई ,केशर बाई,सुनिता बाई,दीक्षा दामले,हीरा मेश्राम,डॉ. सोनिका बोधी, मोनेश बंछोर,चुम्मन देशमुख, राजेन्द्र रजक,रमेश पाल,एस एल चौहान,राघव वर्मा,राजेन्द्र शर्मा , गुलाब दास,बोधन सिंह ,गोरेलाल ठाकुर, जगतपति राय,राजेश्वर साहू,अश्लेष मरावी,उमा सिंह, ममता वर्मा,अन्नु जांगड़े, किर्ति ठाकुर आदि लोग उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

संपादकीय

नया भारत न झुकता है, न डरता है

2014 के बाद भारत बदल गया है। वह न पाकिस्तान के परमाणु बम से डरता है न ही देश के दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था वाले चीन से दबता है। वह पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को मार सकता है तो वह आतंकवाद के मुद्दे पर चीन के सामने भी तनकर खड़ा हो सकता है और अपनी बात आंख में आंख मिलाकर कह सकता है। जो गलत है, उसे भारत आज हर मंच पर गलत कहता है। चीन ने सोचा था वह भारत के रक्षामंत्री को डरा सकता है, दबा सकता है लेकिन चीन में हो रहे शंघाई सहयोग संघ (एससीओ) की बैठक में चीन का यह वहम राजनाथ सिंह ने दूर कर दिया। चीन को बता दिया कि वह चीन में आतंकवाद पर कोई गलत बात की जाएगी तो चीन में भी भारत उसका पुरजोर विरोध करेगा।

भारत ने इसे चीन व पाकिस्तान की मिलीभगत बताया और हस्ताक्षर नहीं किया। इसका परिणाम यह हुआ एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक के कोई साझा बयान जारी ही नहीं हो सका। यह चीन की बड़ी असफलता मानी जा रही है कि उसके यहां एससीओ के रक्षामंत्रियों की बैठक हुई और उनमें वह आतंकवाद के मामले में आमसहमति नहीं बना सका और साझा बयान जारी नहीं कर सका।

> *शंघाई सहयोग संघ को चीन के प्रभाव वाला संगठन माना जाता है। माना जाता है कि इसकी बैठक में चीन की बात का कोई विरोध नहीं करता है। एससीओ की बैठक में चीन व पाकिस्तान ने आंतकवाद के मामले में ऐसा रवैया अख्तियार किया कि भारत के रक्षामंत्री को उसका खुलकर विरोध करना पड़ा। कोई अंतर्राष्ट्रीय संगठन हो उसकी बैठक के बाद एक साझा घोषणा पत्र जारी किया जाता है और साझा बयान जारी होता है तो ही माना जाता है कि संगठन की बैठक सफल रही। एससीओ की बैठक के बाद साझा बयान जारी किया गया। इस पर भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हस्ताक्षर करने से मना कर दिया क्योंकि उसमें पाकिस्तान को खुश करने के लिए बलुचिस्तान का तो उल्लेख किया गया था लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले का कोई जिक्र नही था जिसमें 26 लोग मारे गए थे।*

एससीओ की बैठक में सभी सदस्य एकमत होते हैं तो ही साझा बयान जारी होता है। एससीओ में दस देश हैं, ये हैं चीन, पाक, रूस, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, उजबेकिस्तान, बेलारूस, तजाकिस्तान हैं। बताया जाता है कि राजनाथ सिंह ने साझा बयान पर हस्ताक्षर इसलिए नहीं किया कि इसमें पारदर्शिता नहीं थी, यह भी नहीं बताया गया था इसे कैसे बनाया गया है। साझा बयान में पहलगाम की घटना का जिक्र नहीं था, भारत ने इसे शामिल करने की मांग की, मांग नहीं मानी गई, एससीओ का उद्देश्य सुरक्षा, आर्थिक और राजनीतिक सहयोग बढ़ाना है। आतंकवाद, उग्रवाद, ड्रग तस्करी, साइबर अपराद जैसे मुद्दों पर साझा रणनीति बनाना है, इस बार स्पष्ट नहीं था कि एससीओ के देश चाहते क्या हैं। हो सकता है कि चीन ने दवाब डालकर देखने की कोशिश की हो कि चीन में आकर भारत झुकता है या नहीं,चीन व पाकिस्तान के दवाब में आता या नही। भारत ने उसे साफ बता दिया है कि अब भारत नया भारत है, वह किसी से डरता नहीं, हैं, वह किसी के सामने झुकता नहीं है।

एससीओ के अलावा ब्रिटेन के एफ-35 विमान मामले में भी अमरीका व ब्रिटेन ने भारत को डराने व झुकाने की कोशिश की और विमान वापस मांगा। भारत ने विमान वापस करने से मना कर दिया है। आखिर में इस विमान के लिए ब्रिटेन को ही झुकना पड़ा है। भारत की बात उसे माननी पड़ी। क्योंकि इस मामले में भारत कहीं गलत नहीं है। भारत जब अपनी जगह सही होता है तो वह किसी से डरता नहीं है, डरता नहीं है भले ही वह चीन हो, अमरीका हो या ब्रिटेन हो।

छत्तीसगढ़ के खेल सितारे पहुंच रहे हैं, मैदान से मैडल तक

हीरा देवांगन, संयुक्त संचालक

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना और खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन की बदौलत देश के खेल क्षितिज में छत्तीसगढ़ का नाम तेजी से उभर रहा है, इसके चलते नए-नए खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपना जौहर दिखा रहे हैं। राज्य के खिलाड़ियों को मैदानों से निकलकर मेडल तक का सफर तय करने में अब कम वक्त लग रहा है। इसका हालिया उदाहरण बैडमिंटन में आकर्षी कश्यप का है, जिन्होंने अपनी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमक बिखेरी है।

छत्तीसगढ़ में उपलब्ध सुविधाओं को देखते हुए बीसीसीआई ने दो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैंच के आयोजन की घोषणा की है। पहली बार नवा रायपुर स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दो महीने के भीतर दिसंबर एवं जनवरी माह में भारत दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय वन डे एवं टी-20 मैच खेलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़ रूपए, रजत पदक विजेता को 2 करोड़ रूपए और कास्य पदक विजेता को 1 करोड़ रूपए दिए जाने की घोषणा की है। एक समय में क्रिकेट में राजेश चौहान, हॉकी में सबा अंजुम सहित अनेक खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई थी। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान में क्रिकेट में शशांक सिंह और अमनदीप तथा हॉकी में रेणुका यादव, जैसे चमकते सितारे छत्तीसगढ़ से हैं। राज्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट स्टेडियम, हॉकी स्टेडियम, स्विमिंग पुल जैसी सुविधा उपलब्ध है तथा बैडमिंटन अकादमी निर्माणाधीन है।

केंद्र सरकार की खेलो इंडिया और स्पोर्टस ऑथारिटी ऑफ इंडिया के साथ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए प्रदेश में एक मजबूत ढांचा खड़ा किया जा रहा है। रायपुर स्थित तीरंदाजी और बालिका हॉकी अकादमी में 80 खिलाड़ियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण, आवास, भोजन और शिक्षा की सुविधा दी जा रही है। गैर-आवासीय अकादमियों में 130 से अधिक खिलाड़ी विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण ले रहे हैं। बिलासपुर स्थित बहतराई केंद्र को भारत सरकार द्वारा स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा दिया गया है, जहां 180 खिलाड़ी हॉकी, एथलेटिक्स, तीरंदाजी और कबड्डी में अभ्यासरत हैं। साथ ही, शिवतराई स्थित उपकेंद्र में 45 खिलाड़ी तीरंदाजी की बारीकियाँ सीख रहे हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर भी छत्तीसगढ़ की चमक बढ़ी है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और पैरा गेम्स में प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 2024 में तमिलनाडु में हुए 6वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 7 पदक जीते। दिल्ली में हुए पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स में 7 पैरा-खिलाड़ियों ने 5 पदक जीते। बिहार में 2025 में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में प्रदेश के खिलाड़ियों ने 14 पदक छत्तीसगढ़ के नाम किए। गोवा में आयोजित 37वें नेशनल गेम्स में 72 खिलाड़ियों ने भाग लेकर 25 पदक जीते, जबकि उत्तराखंड में हुए 38वें नेशनल गेम्स में 58 खिलाड़ियों ने 16 पदक अर्जित किए।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेल अधोसंरचना को बढ़ाने के लिए रायगढ़ और कुनकुरी में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्वीकृति दी गई है। बलौदाबाजार में 14 करोड़ रुपये के इंडोर स्टेडियम और नवा रायपुर में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का कार्य जारी है। तिल्दा-नेवरा, मोपका में बहुद्देशीय हॉल और बलौदाबाजार में 8-लेन सिंथेटिक ट्रैक बन रहे हैं, जो खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा देंगे। ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने के लिये प्रदेश के सभी 33 जिलों में खेलो इंडिया लघु केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों में हॉकी, तीरंदाजी, मलखंभ, कुश्ती और फुटबॉल जैसे खेलों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बस्तर ओलंपिक में सात जिलों के 1.65 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रदेश सरकार द्वारा लंबे समय से लंबित खेल पुरस्कारों का वितरण कर प्रतिभाओं को उनका हक प्रदान किया। 230 खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित खेल सम्मानों से नवाजा गया, जिनमें शहीद राजीव पांडेय, शहीद कौशल यादव, वीर हनुमान सिंह, शहीद पंकज विक्रम एवं शहीद विनोद चौबे सम्मान शामिल है। इसके अतिरिक्त पदक विजेता खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देकर खिलाड़ियों की प्रतिभा और मेहनत का सम्मान किया गया। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर वर्ष 2024-25 के गुण्डाधुर सम्मान, महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान से एक-एक खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों का सम्मान, अधोसंरचना का विकास, ग्रामीण प्रतिभाओं को तराशने और बस्तर क्षेत्र में खेल आयोजन से प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में एक नई उंचाई दी है। इससे भविष्य में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय और वैश्विक खेल मानचित्र पर चमकेगा।

युद्ध की भूमिका बना रहे आतंकी

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पांच घाटी जिलों में छापामारी कर तीन सौ राइफलें व अन्य हथियार बरामद किए। इसके साथ ही जबरन वसूली करने वाले प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादियों को भी गिरफ्तार किया। मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, सेना व असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने विस्फोटकों व अन्य युद्ध सामग्री बरामद की। इसमें 151 एसएलआर राइफलें, 65 इंसास राइफलें, 73 अन्य प्रकार की राइफलें, बारह हल्की मशीन गनें, पांच कार्बाइन गन, दो एमपी-5 गन, छह एके सीरीज राइफलें, दो अमोघ राइफल, एक मोर्टार, छह पिस्तौलें, दो फ्लेयर बंदूकें, दस ग्रेनेड, सात डेटोनेटर व एक एआर-15 समेत कुल 328 बंदूकें व राइफलें बरामद कीं। यह खुफिया ऑप्रेशन मणिपुर में समान्य स्थिति बहाल करने, सार्वजनिक व्यवस्था कायम करने, नागरिकों व उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों के लिहाज से किया गया।

राज्य की पुलिस ने आम जनता से व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध हथियारों से जुड़ी सूचना तत्काल नजदीकी पुलस स्टेशन या केंद्रीय निरीक्षण केंद्र को राज्य में सामान्य देने की अपील की है। जब्त किया गया जखीरा देख कर कहा जा सकता है कि आतंकी युद्ध की भूमिका बना रहे हैं। उनका असल मकसद कुकी व मैतई विद्रोह के बीच फायदा उठाकर राज्य में अमन-चैन तबाह करना है। राज्य की सार्वजनिक व्यवस्था सुचारू बनाने व सामान्य स्थिति बहाल करने के सरकारी प्रयास जारी हैं। लंबे अरसे से संघर्षरत राज्य में आम जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित है। बड़ी संख्या में लोग पड़ोसी राज्यों में पलायन कर चुके हैं। रोजगार व आमदनी के साधन चरमरा चुके हैं। घर, दुकान, प्रतिष्ठानों कों बहुत क्षति पहुंची है।

इतनी बड़ी संख्या में हथियारों की बरामदगी आतंकियों/ उपद्रवियों के इरादों की द्योतक है। मगर सवाल यह भी है कि चाक-चौबंद सुरक्षा-व्यवस्था व मुस्तैदी के दरम्यान ये अवैध हथियार कैसे राज्य की सीमा के भीतर पहुंच रहे हैं। सीमाओं पर सख्ती के अतिरिक्त घाटी वाले इलाकों पर सतर्कता जरूरी है। राजनीति से इतर इस संघर्ष को रोकने के तत्काल प्रयास बेहद जरूरी हैं। केंद्र द्वारा की जाने वाली उपेक्षा को लेकर पूर्वोत्तर राज्य हमेशा त्योरियां चढाये रहते हैं। इस पर विचार किया जाना चाहिए। इन छोटे राज्यों के विकास और स्थानीय युवाओं को राजगार देने जैसी मूल दिक्कतों का निस्तारण करने में लापरवाही हमेशा नकारात्मक नतीजे ही देने वाली साबित होगी।

बेटियों के लिये मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

ललित गर्ग

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है।

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवत: लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवत: बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। 'द इकोनॉमिस्ट' द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं।

पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफके डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकड़े चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? लेकिन अब इस संकीर्ण सोच में बदलाव आना एक सुखद संकेत है।

अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा। बालिकाएं पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है।

लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं। लेकिन इसके बावजूद भारत को लिंग समानता के वैश्विक आंदोलन की किसी भी तरह अनदेखी नहीं करनी चाहिए। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 वैश्विक लैंगिक अंतर का आकलन और तुलना करने के लिए एक समझने योग्य ढांचा प्रदान करके और उन देशों को उजागर करके जो इन संसाधनों को महिलाओं और पुरुषों के बीच समान रूप से विभाजित करने में रोल मॉडल हैं, रिपोर्ट अधिक जागरूकता के साथ-साथ नीति निर्माताओं के बीच अधिक आदान-प्रदान के लिए उत्प्रेरक का काम करती है। भारत में समान संपत्ति अधिकार लागू करने, दहेज प्रथा की कुरीति को समाप्त करने की दिशा में सख्त कदम उठाने चाहिए। तभी भारतीय समाज में लिंगभेद की मानसिकता खत्म होगी और लैंगिक समानता की दिशा में मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही देश में तेजी से बढ़ती बुजुर्गों की आबादी के लिये बालिकाएं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में आधार बन सकेगी।

पीएम सूर्यघर योजना से अब उपभोक्ता बन रहे हैं उत्पादक

बिजली विभाग के ग्रिड से जुड़ता है पीएम सूर्यघर योजना से लगा सोलर पैनल

जितनी आवश्यकता उतनी खपत के बाद बची बाकी बिजली ग्रिड में

ट्रांसफर करने से हो रही कमाई, बिल में मिल रही छूट

सोलर सिस्टम लगाने केंद्र के साथ अब राज्य शासन से भी मिलेगी सब्सिडी

माइनस में बिजली बिल आना, यह कभी किसी ने सोचा है। हर महीने की बिजली खपत के एवज में बिल आना और उसका भुगतान यह तो सालों से चलती आ रही प्रक्रिया है। लेकिन कोई ऐसी व्यवस्था हो जिससे बिजली का बिल माइनस में आए। अर्थात आप जिस बिजली का उपयोग कर रहे हों उसका बिल न आए, बल्कि अगले महीने के बिल से भी कुछ राशि की कटौती एडवांस में हो जाए। पहले यह सोचना मुमकिन नहीं था लेकिन आज पीएम सूर्यघर योजना से यह संभव हो पा रहा है।

उपभोक्ताओं के बिजली के बिल अप्रैल-मई जैसे भीषण गर्मी के महीनों में भी माइनस में आ रहे हैं, जबकि इन महीनों में खपत कई गुना बढ़ जाती है। पीएम सूर्य घर योजना के माध्यम से उपभोक्ता अब अपने घर की छतों में छोटा सोलर बिजली घर लगाकर बिजली भी पैदा कर रहे हैं। जितनी बिजली की घर में खपत है उतना उपयोग किया, बाकी बिजली विद्युत विभाग के ग्रिड में ट्रांसफ्र कर दिया। विभाग उपभोक्ता से ली बिजली का अगले बिजली के बिल में एडजस्ट कर देता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा के माध्यम से किफायती बिजली उपलब्ध कराना है। पीएम सूर्यघर योजना के तहत सोलर सिस्टम लगाने शासन से सब्सिडी मिलती है जो सीधे लाभार्थियों

के बैंक खातों में जमा कर दी जाती है। साथ ही, उन्हें सस्ती दरों पर बैंक लोन भी मिलता है। इस योजना से लोगों के बिजली के बिल कम हो रहे हैं और उनकी बचत बढ़ रही है। यह स्थायी ऊर्जा समाधान की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेश में इस योजना को व्यापक स्तर पर लागू किया जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत 30 हजार तक की सब्सिडी राज्य सरकार द्वारा दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इस योजना से जुड़कर लाभार्थी अपने घर की छतों पर सोलर सिस्टम लगाकर बिजली उत्पादन कर सकेंगे। उनका यह सिस्टम बिजली विभाग की ग्रिड से जुड़ा होगा। उत्पादित बिजली से खपत के बाद जो बिजली बचेगी वह ग्रिड में ट्रांसफ्र हो जाएगी। जो बिजली बिल में समायोजित हो जाएगी। इससे उतनी राशि बिजली बिल से घट जाएगी और उपभोक्ता को सीधे आर्थिक बचत के रूप में लाभ मिलेगा। इस योजना से हितग्राही सिर्फ बिजली के उपभोक्ता ही नहीं बल्कि उसके उत्पादक भी हो जाएंगे। योजना का लाभ लेने के लिए अपने नजदीक के बिजली ऑफिस में संपर्क किया जा सकता है।

इस साल अप्रैल और मई के महीने में माइनस में रहा बिल - हितग्राही बाबूलाल

रायगढ़ जिले में कोड़ातराई के निवासी हैं श्री बाबू लाल चौधरी उन्होंने अपने घर में पीएम सूर्यघर योजना के तहत 3 किलोवॉट का सोलर सिस्टम लगवाया है। इसमें उन्हें 1.90 लाख का खर्च आया। जिसमें से 78 हजार रुपए शासन से सब्सिडी मिली। उनके अप्रैल और मई महीनों के वर्ष 2024 और 2025 के बिल की तुलना कर के देखें तो उनका बिल जो अप्रैल 2024 में 1120 रुपए था वो सोलर पैनल लगने के बाद इस वर्ष अप्रैल 2025 में -1417 रुपए हो गया। जिसका मतलब हुआ कि इतनी बिजली वो विद्युत विभाग से आगे भविष्य में लेकर उपयोग कर सकते हैं लेकिन इसका उन्हें कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि उनके सोलर पैनल ने उनके घरेलू जरूरत से ज्यादा बिजली पैदा की, जो बिजली विभाग की ग्रिड में ट्रांसफ्र हो गई। उन्हें 2581 रुपए रिबेट मिला। जिसमें उनका अप्रैल माह का बिल एडजस्ट हो गया और 1417 रुपए एडवांस में बिजली विभाग के पास जमा हो गया। वहीं मई 2025 में उनका बिजली का बिल - 1127 रुपए रहा जो इसी अवधि में वर्ष 2024 में 1490 रुपए था। बाबूलाल चौधरी ने कहा कि अप्रैल और मई में जब भीषण गर्मी पड़ती है, कूलर पंखे लगातार चल रहे होते हैं। ऐसे में भी बिजली का बिल माइनस में आना बड़ी राहत है। सीएसपीडीसीएल के अधिकारियों ने बताया कि सोलर सिस्टम वाले विद्युत उपभोक्ता का विद्युत खपत यूनिट और उत्पादित यूनिट का आपस में समायोजन ऑटोमैटिक होता है। जो बिजली उपभोक्ता बिजली विभाग के ग्रिड में ट्रांसफ्र करते हैं वे उसका उपयोग बाद में अपनी जरूरत के अनुसार मुफ्त में कर रहे हैं।

केंद्र के साथ अब राज्य शासन से भी मिलेगी सब्सिडी

प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना में केंद्र सरकार की ओर से सब्सिडी दी जाती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा भी हितग्राहियों को 30 हजार तक की सब्सिडी दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसमें 1 किलो व्हाट पर केंद्र से 30 हजार और राज्य से 15 हजार कुल 45 हजार, 2 किलो व्हाट पर केंद्र से 60 हजार और राज्य से 30 हजार कुल 90 हजार, 3 किलो व्हाट पर केंद्र से 78 हजार और राज्य से 30 हजार कुल 1 लाख 08 हजार की सब्सिडी दी जा रही है। 3 किलो व्हाट या उससे अधिक क्षमता पर 1 लाख 08 हजार की सब्सिडी स्थिर रहेगी।

50 साल बाद 'ठाकुर' के हाथों मारा जाएगा 'गब्बर', नए वर्जन में दिखाई जाएगी 'शोले'

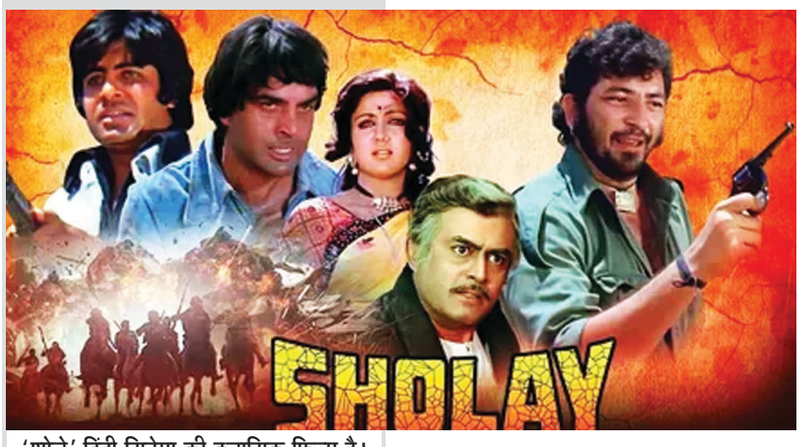

'शोले' हिंदी सिनेमा की क्लासिक फिल्म है। रमेश सिप्पी की इस फिल्म के गानों से लेकर डायलॉग्स तक आज भी लोगों की जुबान पर रहते हैं। वहीं इस शानदार फिल्म का नया वर्जन इटली के फिल्म फेस्टिवल में रिलीज किया गया है। जिसका क्लाइमेक्स दर्शकों को हैरान कर देगा। निर्देशक रमेश सिप्पी के भतीजे शहजाद सिप्पी ने कहा कि उन्होंने फिल्म के नए वर्जन में छह मिनट के सीन और जोड़े हैं जिसमें फिल्म का रियल एंड भी शामिल है जब गब्बर सिंह की मौत हो जाती है।

वहीं साल 1975 में आयी इस फिल्म के ओरिजनल वर्जन में एंड में संजीव कुमार द्वारा निभाया गया ठाकुर का किरदार गब्बर की हत्या करके अपना बदला ले लेता है, लेकिन आपातकाल के दौरान सेंसर बोर्ड ने इस सीन में बदलाव कर दिए थे। तब रिलीज हुई फिल्म में ठाकुर घायल गब्बर को छोड़ देता है और पुलिस उसे गिरफ्तार कर लेती है।

इमरजेंसी के दौरान क्यों बदला गया था शोले का क्लाइमेक्स

वहीं शहजाद ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था। उस समय सेंसर बोर्ड ने तीन-चार सीन्स को मंजूरी नहीं दी थी जिसमें गब्बर सिंह की मौत वाला एंड भी शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''फिल्म में ठाकुर तब एक आम नागरिक था और पुलिस अधिकारी के तौर पर सेवानिवृत्त हो चुका था तो उस वक्त सरकार नहीं चाहती थी कि कोई आम नागरिक कानून अपने हाथ में ले।''

शोले का नया वर्जन ओरिजनल से 6 मिनट ज्यादा है लंबा

अब 50 साल बाद ओरिजनल सीन और फिल्म से हटाए गए अन्य अनदेखे सीन नए वर्जन में शामिल किए गए हैं, जिसे इटली के बोलोग्ना में सिनेमा रिट्रोवेटो फेस्टीवल में दिखाया जाएगा। फिल्म के नए वर्जन पर काम करने वाले शहजाद ने कहा कि नया वर्जन 15 अगस्त 1975 में सिनेमाघरों में रिलीज फिल्म से छह मिनट ज्यादा लंबा है।

उन्होंने कहा, ''इस बार कुछ एडीशनल सीन्स होंगे। हम इसे सीक्रेट रखना चाहते हैं। हमने ओरिजनल सीन्स के साथ जहां तक पॉसिबल हो काम करने की कोशिश की है और कुछ भी नहीं काटा है।'' 'शोले'' के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में इसकी स्क्रीनिंग 27 जून को खुले आसमान के नीचे पियाजा मैगीगोर में होगी। फिल्म में अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी और जया बच्चन ने अभिनय किया था। जय, वीरू, बसंती और ठाकुर जैसे फेमस किरदारों के साथ-साथ हिंदी सिनेमा के आइकॉनिक खलनायकों में से एक गब्बर सिंह और भरपूर संवादों और एक्शन सीन के कारण यह फिल्म भारतीय फिल्म संस्कृति का अभिन्न अंग मानी जाती है।

फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन और सिप्पी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड ने तीन साल तक इसके नए वर्जन पर काम किया है।शहजाद सिप्पी ने कहा कि इस नए वर्जन को सिनेमाघरों में रिलीज करने के बारे में अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।

अब स्क्रीन स्पेस की जंग में फंसी अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की निकिता रॉय, मेकर्स ने बदली रिलीज डेट

सोनाक्षी सिन्हा की अपकमिंग फिल्म निकिता रॉय की रिलीज डेट को एक दिन पहले टाल दिया गया है। 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी फिल्म को अब अगले महीने 18 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स एनवीबी फिल्म ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की है।

फिल्म के निर्माताओं ने बताया कि मौजूदा समय में कई फिल्मों की एक साथ रिलीज के चलते स्क्रीन की उपलब्धता को लेकर मुश्किलें थीं। इसी वजह से उन्होंने इंडस्ट्री के शुभचिंतकों, डिस्ट्रीब्यूटर्स और एग्जीबिटर्स की सलाह के बाद निकिता रॉय को पोस्टपोन करने का फैसला लिया है।

मेकर्स का आधिकारिक स्टेटमेंट नमस्ते दोस्तों! हम इस समय कई फिल्मों की एकसाथ रिलीज और स्क्रीन की जंग के बीच फंस गए हैं इंडस्ट्री के शुभचिंतकों, डिस्ट्रीब्यूटर्स और एग्जीबिटर्स की सलाह के बाद हमने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया है कि हमारी फिल्म की रिलीज डेट को 18 जुलाई तक आगे बढ़ा दिया जाए, ताकि हम ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंच सकें। अब तक आपने इस फिल्म को जो प्यार दिया है, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आपको थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा, लेकिन हम वादा करते हैं कि 18 जुलाई का दिन इंतजार करने लायक होगा! सिनेमाघरों में आपसे मुलाकात होगी!

बता दें कि पहले यह फिल्म काजोल की पौराणिक थ्रिलर मां से क्लैश होने जा रही थी। अब निकिता रॉय को नई तारीख मिल गई है, जिससे इसे बेहतर स्क्रीन स्पेस और दर्शकों तक पहुंच मिलने की उम्मीद है। सोनाक्षी सिन्हा के फैंस को अब थोड़ा और इंतजार करना होगा, लेकिन मेकर्स ने वादा किया है कि 18 जुलाई को यह इंतजार जरूर रंग लाएगा।

राणा नायडू सीजन-2 में बोल्ड और इंटिमेट सीन कहानी के लिए जरूरी : अदिति शेट्टी

एक्ट्रेस अदिति शेट्टी ने राणा नायडू सीजन-2 में अपने बोल्ड और इंटिमेट सीन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि ये सीन कहानी और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझाने के लिए जरूरी थे।

अदिति शेट्टी ने कहा कि नए सीजन में बहुत कम बोल्ड सीन हैं और जो भी सीन हैं, उन्हें बहुत सोच-समझकर फिल्माया गया है। ये सीन कहानी के लिए जरूरी थे और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझने में मदद करते हैं।

अदिति ने कहा, सीजन 2 में वास्तव में बहुत कम बोल्ड सीन हैं और वे भी सावधानी से शूट किए गए हैं। ये सीन कहानी के लिए जरूरी थे और मेरे किरदार के सफर के लिए यह मायने रखते हैं। कुछ भी बेकार नहीं था, हमने जो भी किया, उसका उद्देश्य और गहराई थी। अदिति शेट्टी ने बताया कि उन्होंने राणा नायडू सीजन 2 में काम करने के लिए हां क्यों कहा।

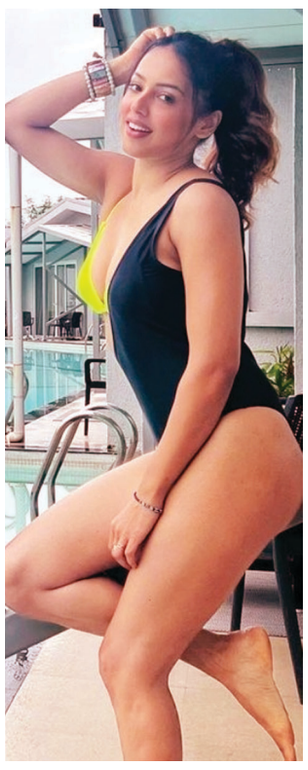

उन्होंने कहा, इसके कई कारण थे। मैंने पहले भी मिर्जापुर में निर्देशकों के साथ काम किया था, और मैं पहले से ही राणा नायडू सीजन 1 की बड़ी फैन थी। जब मुझे इस किरदार के बारे में पता चला, तो मैं काफी उत्साहित हुई। मेरा किरदार बहुत दिलचस्प है और कहानी के लिए अहम है। मैं अपने किरदार से काफी प्रभावित हुई। साथ ही, सीन भी जबरदस्त थे। खासकर राणा सर के साथ मेरा फेस-ऑफ सीन शानदार था। इन कुछ चीजों के चलते मैंने हां की।

अदिति ने बताया कि राणा नायडू सीजन 2 में उनका किरदार तसनीम उनकी असल जिंदगी से काफी अलग है। उन्होंने कहा, तसनीम मेरी असली जिंदगी से बहुत अलग है। मैं मस्ती करने वाली और भावनाओं को खुलकर दिखाने वाली लड़की हूं, लेकिन तसनीम ज्यादा शांत और गंभीर है। एक बात सामान्य है कि हम दोनों में फिटनेस का शौक एक जैसा है। राणा नायडू सीजन 2 में वेंकटेश दग्गुबती, राणा दग्गुबती, अर्जुन रामपाल और कृति खरबंदा लीड रोल में हैं। यह शो नेटफ्लिक्स पर 13 जून को रिलीज हुआ था।

ग्रीन बिकिनी में एली अवराम ने गिराई बिजली, सोशल मीडिया पर मचा तहलका

बॉलीवुड एक्ट्रेस एली अवराम ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट से इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर कुछ स्टनिंग तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह ग्रीन बिकिनी में समुद्र किनारे बेहद ग्लैमरस अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। खुले बाल, नो-मेकअप लुक और नेचुरल बैकड्रॉप के साथ एली का यह स्टाइलिश अंदाज फैंस को दीवाना बना रहा है।

तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में इमोजी का इस्तेमाल करते हुए वेकेशन मूड को जाहिर किया है। फोटो क्रेडिट उन्होंने निखिल शेनॉय फोटो को दिया है, जिन्होंने इस हॉट फोटोशूट को कैप्चर किया है।

फोटोज में एली का कॉन्फिडेंस और कैमरा के प्रति उनका कम्फर्ट लेवल साफ नजर आता है। यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में उन्हें सो हॉट, समुद्र तटों की रानी और लुभावनी जैसे कमेंट्स दिए हैं। पोस्ट को अब तक 80 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं और ये आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है।

एली अवराम का यह बोल्ड अंदाज उनके फैशन एक्सपेरिमेंट्स को दर्शाता है। वो अक्सर अपने फैशन चॉइसेज को लेकर चर्चा में रहती हैं और यह पोस्ट भी उनके फॉलोअर्स के लिए एक बड़ा विजुअल ट्रीट साबित हो रही है।

क्या आप में भी हैं ये खूबियां? जो महिलाओं को करती हैं आकर्षित

महिलाओं को खूबसूरती के चलते कोई भी पुरुष पसंद करता है। ऐसा कहा जाता है कि खूबसूरती ही पुरुष को महिलाओं के प्रति आकर्षित करती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि महिलाओं को पुरुषों में क्या पसंद आता है? क्योंकि, आमतौर पर महिलाएं किसी पुरुष को आसानी से पसंद नहीं करतीं, लेकिन कुछ ऐसे पुरुष होते हैं जिन पर वे मोहित हो जाती हैं। जब किसी पुरुष को कोई महिला पसंद करती है तो कई बार मन में यह प्रश्न आता है कि क्या यह कोई जादू है। वास्तव में ऐसी बातों की जानकारी अधिकांश लोगों को नहीं होती। लेकिन आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र में कुछ ऐसी बातें कही हैं, जिनसे पता चलता है कि महिलाओं को कैसे पुरुष पसंद आते हैं और उनके क्या खास गुण होते हैं? आइए जानते हैं इस आर्टिकल के माध्यम से जानेंगे।

1. ईमानदारी

आचार्य चाणक्य के अनुसार, जो पुरुष ईमानदार होने के साथ ही साफसुथरे यानी कि सुलझे हुए होते हैं और जिनका व्यवहार अच्छा होता है, उन्हें महिलाएं काफी पसंद करती हैं।

2. अच्छा श्रोता

यदि किसी पुरुष में सुनने की क्षमता अच्छी है यानी कि वह एक अच्छा श्रोता है तो महिलाएं ऐसे पुरुषों को खूब पसंद करती हैं। क्योंकि वह चाहती हैं कि उनकी बातों को सुना जाए।

3. धनी व्यक्ति

चाणक्य नीति के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार अच्छा होने के साथ-साथ पर्याप्त धन है तो ऐसे पुरुष की तरफ महिलाएं जल्दी आकर्षित होती हैं।

4. मन की सुंदरता

जिस तरह पुरुष स्त्री की बाहरी सुंदरता देखकर मोहित होता है, वैसे ही महिलाएं पुरुष की अंदरूनी सुंदरता को देखकर आकर्षित होती हैं।

5. मेहनती पुरुष

आचार्य चाणक्य कहते हैं कि जो पुरुष मेहनती होते हैं वो महिलाओं को काफी पसंद आते हैं। यानी कि यदि आप मेहनत करते हैं तो आप किसी महिला की पसंद बन सकते हैं।

6. लम्बे कद वाले लड़के = दोस्तों लड़कियों को लम्बे लड़के बहुत पसंद आते है और लड़किया अक्सर ऐसे लड़को पर अपनी जान छिड़कती हैं क्यूंकि लड़किया हमेशा यही चाहती है की उनका बॉयफ्रेंड उनसे लम्बे कद का हो

7. हसी मजाक करने वाले लड़के = लड़कियों को इस तरह के लड़के भी बहुत पसंद आते है जो हसी मजाक बहुत अच्छे से करते हो क्यूंकि अक्सर लड़किया लड़को का सेंस ऑफ ह्यूमर देखती है

8. अच्छी बॉडी वाले लड़के = दोस्तों लड़कियों को फिट और अच्छे बॉडी वाले लड़के काफी पसंद आते है क्यूंकि लड़किया ऐसे लड़कों के साथ सेफफील करती है

9. मेच्योर लड़के = लड़कियों को मेच्योर लड़के भी बहुत पसंद आते है जो उनकी केयर करें उनको प्यार करें ऐसे लड़के उनको पति वाली फीलिंग देते है और जल्द ही उनके दिल में अपनी जगह बना लेते है।

53 की कुंवारी हसीना को देख खुशी से उछल पड़ीं रेखा, झट से लगा लिया गले

बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'उमराव जान' की स्क्रीनिंग पर सितारों का मेला लगा। मेन कैरेक्टर वाली वाइब ली रेखा ने। जो हमेशा की तरह रॉयल लुक में किसी महारानी जैसी दिखीं। आलिया भट्ट, जाह्नवी कपूर समेत कई सितारे स्क्रीनिंग पर पहुंचे। लेकिन रेखा सबसे ज्यादा 53 साल की कुंवारी हसीना से मिलकर खुश नजर आईं।

फिल्म 'उमराव जान' का नाम आते ही रेखा के चर्चे खुद ब खुद होने लगते हैं। इस मूवी की स्क्रीनिंग पर भी 70 साल की रेखा सारी लाइमलाइट लूटती नजर आईं। इतने खास मौके पर बॉलीवुड के कई सितारे सज-धजकर पहुंचें। पर जैसे ही 53 की साल की कुंवारी हसीना की एंट्री होती है तो रेखा खुशी से उछल पड़ती हैं।

पहले तो दोनों हसीनाएं दूर से ही एक दूसरे को देखकर आंखों की आंखों से अपनी सारी खुशी बयां कर देती हैं। फिर एक दूसरे की तरफ झट से कदम आगे बढ़ाने लगती हैं। लाल लहंगे में 53 साल की कुवांरी हसीना इतनी सुंदर लगीं कि हर कोई उनकी खूबसूरती को निहारता रह गया। आखिर कौन है यह डीवा?

53 साल की हसीना है तब्बू

हेमा मालिनी से लेकर खुशी और जाह्नवी तक, एक के बाद एक सितारे फिल्म 'उमराव जान' की स्क्रीनिंग पर पहुंचे। लेकिन जब तब्बू की एंट्री हुई तो रेखा सबसे ज्यादा खुश दिखीं। दोनों एक दूसरे को गले लगाकर खुशी से झूम उठीं। बिल्कुल किसी पक्की सहेली की तरह। लुक की बात करें तो रेखा ने रॉयल अंदाज दिखाया। पर तब्बू भी सबको टक्कर देती नजर आईं।

तब्बू सुर्ख लाल रंग का लहंगा पहनी दिख रही हैं। जो हिना कोचर ब्रांड का है। लाल अटायर परगोटा पट्टी डीटेलिंग ऐड की गई है, जिससे उनका लुक बहुत अट्रैक्टिव बन रहा है। साथ ही उन्होंने मैचिंग दुपट्टा भी पेयर किया। और, गजरे जैसे कई एलिमेंट जोड़कर शाही अंदाज दिखाया। तब्बू इतनी खूबसूरत लग रही हैं कि उनका चेहरा देख कोई भी उम्र का अंदाजा नहीं लगा पाएगा।

लहंगे ने लगा दिए लुक में चार- चांद

तब्बू की कुर्ती तो धांसू नजर आई ही। साथ में लहंगे पर भी बारीक डीटेलिंग ऐड की गई। सुनहरे गोल्ड धागे से बेलों वाले डिजाइन बनाए गए हैं। और, लहंगे को हाइलाइट करने के लिए गोल्ड गोटा पट्टी भी जोड़ी गई। तब्बू के लहंगे की फ्लेयर्ड ज्यादा नजर नहीं आई, जिससे वो कुर्ती के साथ दोगुना ट्यून करता नजर आया।

मॉनसून में जकड़ सकती हैं ये 5 गंभीर बीमारियां, इन 3 चीजों को करें अलविदा

मॉनसून में कुछ बीमारियां कसके जकड़ लेती हैं। ऐसे में इन 3 चीजों को अपनी डाइट से निकालकर आप इन बीमारियों से बच सकते हैं। मॉनसून का मौसम अपने साथ भले ही गर्मी से राहत लेकर आता हो, लेकिन यह कई बीमारियों का घर भी बन जाता है। इस दौरान नमी और दूषित वातावरण के कारण संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है। अगर आप इस मौसम में स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो कुछ खास बातों का ध्यान रखना और अपने खानपान में बदलाव करना बेहद जरूरी है।

मॉनसून में जकड़ने वाली ये पांच गंभीर बीमारियां

डेंगू और मलेरिया

जलभराव से मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी जानलेवा बीमारियां फैलती हैं। तेज बुखार, बदन दर्द और प्लेटलेट्स का गिरना इनके मुख्य लक्षण हैं।

हैजा और टाइफाइड

दूषित पानी और भोजन के सेवन से हैजा और टाइफाइड जैसी जलजनित बीमारियां हो सकती हैं। दस्त, उल्टी, तेज बुखार और पेट दर्द इनके प्रमुख लक्षण हैं।

वायरल बुखार और फ्लू

बदलते मौसम और नमी के कारण वायरल इन्फेक्शन आम हो जाते हैं। खांसी, जुकाम, गले में खराश और बुखार इसके सामान्य लक्षण हैं।

लेप्टोस्पाइरोसिस

यह बीमारी दूषित पानी या मिट्टी के संपर्क में आने से फैलती है, जिसमें चूहे या अन्य जानवर के मूत्र से बैक्टीरिया फैलते हैं। तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और पीलिया इसके लक्षण हो सकते हैं।

पेट संबंधी संक्रमण

बारिश के मौसम में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है, जिससे फूड पॉइजनिंग और गैस्ट्रोएंटेराइटिस (पेट का फ्लू) जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं।

इन 3 चीजों को करें अलविदा

मॉनसून में बीमारियों से बचने के लिए अपने खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। तुरंत प्रभाव से इन 3 चीजों को अपनी डाइट से हटा दें या कम कर दें।

खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थ (स्ट्रीट फूड)

मॉनसून में नमी के कारण बैक्टीरिया और कीटाणु तेजी से पनपते हैं। खुले में बिकने वाले भोजन पर मक्खियां और धूल-मिट्टी आसानी से बैठती है, जिससे संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। गोलगप्पे, चाट, पकौड़े, या अन्य बिना ढके हुए खाद्य पदार्थों से बचें।

कच्चे या अधपके सलाद और कटे फल

अक्सर लोग सलाद या फल खरीदते समय यह नहीं सोचते कि उन्हें कैसे तैयार किया गया है। अधपके या बिना ठीक से धोए हुए कच्चे सलाद और कटे हुए फल में बैक्टीरिया हो सकते हैं। मॉनसून में सब्जियों और फलों को बहुत अच्छे से धोकर ही सेवन करें और कटे हुए फलों को तुरंत खा लें।

तला हुआ और भारी भोजन

मॉनसून में हमारी पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। ऐसे में तला हुआ, मसालेदार और भारी भोजन जैसे समोसे, कचोरी, पूड़ी-सब्जी आदि पचाने में मुश्किल होते हैं, जिससे अपच, गैस, और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हल्का और सुपाच्य भोजन जैसे दाल, चावल, उबली सब्जियां और सूप का सेवन करें।

रासायनिक खादों की कालाबाजारी बर्दास्त नहीं, समितियों में खाद का हो पर्याप्त भण्डारण: मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में डीएपी खाद की कमी को देखते हुए प्रदेश में डीएपी खाद की पर्याप्त सप्लाई नहीं हो पा रही है तो डीएपी के वैकल्पिक खादों के प्रति किसानों को जागरूक करें और जो वैकल्पिक खाद उपलब्ध है किसानों को दिया जाए। उन्होंने बैठक में कहा कि किसानों को सहुलियतें प्रदान करना हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है। मंत्री केदार कश्यप अपने नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में सहकारिता और उर्वरक कंपनियों के अधिकारियों की बैठक में किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित बनाए रखने के संबंध में समीक्षा कर रहे थे।

सहकारिता मंत्री कश्यप ने कहा कि रासायनिक खाद की कालाबाजारी बर्दास्त नहीं की जाएगी। ऐसे गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों व केन्द्र संचालकों के ऊपर कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने सहकारिता विभाग के अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में 2058 सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद का भण्डारण हो और किसानों की मांग के अनुरूप खाद मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नैनो यूरिया, नैनी डीएपी के छिड़काव के प्रति भी किसानों को जागरूक करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बैठक में सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डीएपी खाद की आपूर्ति के संबंध में कंपनी के प्रतिनिधियों से समन्वय कर खाद सप्लाई के लिए विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में डीएपी खाद सप्लाई की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025 के लिए किसानों के मांग के अनुरूप विभाग 10.73 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद का लक्ष्य निर्धारित किया है। लक्ष्य के विरूद्ध 5.85 लाख मीट्रिक टन का भण्डारण किया जा चुका है तथा किसानों को 4.37 लाख मीट्रिक टन खाद वितरित किए जा चुके हैं। वर्तमान में समितियों में 1.18 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है।

अधिकारियों ने बताया कि डीएपी का लक्ष्य 78 हजार 331 मीट्रिक टन है। इसके विरूद्ध अब तक 75 हजार 428 मीट्रिक टन डीएपी का भण्डारण किया जाकर किसानों को 61 हजार 137 मीट्रिक टन खाद वितरण किया जा चुका है। समितियों में 14 हजार 291 मीट्रिक टन डीएपी खाद शेष है। डीएपी खाद की कमी के कारण एनपीके का लक्ष्य बढ़कर 3 लाख 16 हजार मीट्रिक टन हो गया है। लक्ष्य के विरूद्ध 93 हजार 467 मीट्रिक टन एनपीके का भण्डारण किया जाकर किसानों को 74 हजार 545 मीट्रिक टन एनपीके खाद का वितरण किया जा चुका है। समितियों में 18 हजार 922 मीट्रिक टन एनपीके शेष है। ज्यादा से ज्यादा एनपीके के सप्लाई के लिए कंपनियों के साथ निरंतर समन्वय किया जा रहा है।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि खरीफ सीजन 2025 के लिए मांग के अनुरूप यूरिया का लक्ष्य 4.54 लाख मीट्रिक टन है। लक्ष्य के विरूद्ध 2.88 लाख मीट्रिक टन का भण्डारण कर 1.91 लाख मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किसानों को किया जा चुका है, इसी प्रकार एमओपी का लक्ष्य 46 हजार 360 मीट्रिक टन है।

लक्ष्य के विरूद्ध 55 हजार 611 मीट्रिक टन एमओपी का भण्डारण कर किसानों को 29 हजार 851 मीट्रिक टन एमओपी का वितरण किया जा चुका है। इसी प्रकार एसएसपी (समस्त) का लक्ष्य 1.76 लाख मीट्रिक टन निर्धारित है। लक्ष्य के विरूद्ध 1.28 लाख मीट्रिक टन भण्डारण कर किसानों को 65 हजार 878 मीट्रिक टन एसएसपी का वितरण किए जा चुके हैं। बैठक में अपेक्स बैंक के चेयरमेन केदारनाथ गुप्ता सहित रासायनिक खाद कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने सुझाव दिए। इस अवसर पर आयुक्त सहकारिता व पंजीयक सहकारी संस्थाए कुलदीप शर्मा मार्कफेड की एमडी किरण कौशल, संचालक कृषि राहुल देव, अपेक्स बैंक के एमडी के.एन. काण्डे सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं खाद कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया आंगनबाड़ी और प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर के पंच मंदिर वार्ड में आंगनबाड़ी केंद्र और शासकीय प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, पोषण, स्वच्छता और शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आंगनबाड़ी में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार की गुणवत्ता, टीकाकरण और पोषण ट्रैकर ऐप के उपयोग की जांच की गई। मंत्री ने कुपोषण से जूझ रहे बच्चों की नियमित निगरानी और गुणवत्तापूर्ण आहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्राथमिक शाला में उन्होंने शिक्षकों से पाठ्यक्रम, मध्याह्न भोजन और पुस्तक वितरण की जानकारी ली। बच्चों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और सपनों को जाना। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मजबूत बचपन ही सशक्त भविष्य की नींव है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार बाल विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में जिला कार्यक्रम अधिकारी, बीईओ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

वाणिज्यिक कर विभाग में पारदर्शिता और सुधार की नई पहल : वर्षों बाद हुए व्यापक तबादले

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की गुड गवर्नेंस नीति के अनुरूप सभी विभागों में शासकीय कार्यप्रणाली को पारदर्शी, निष्पक्ष और जनहितकारी बनाने की दिशा में अनेक पहल की जा रही है।

इसी क्रम में वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग में वर्षों बाद बड़े पैमाने पर तबादले किये गये हैं। इससे पहले विगत दो-तीन वर्षों में विभाग में एकाध बार ही सीमित संख्या में (केवल 10-15 अधिकारियों के) ही तबादले हुए थे। जीएसटी विभाग के अधिकांश अधिकारी-कर्मचारी एक ही पदस्थापना स्थल पर लंबे समय से कार्यरत थे। कुछ अधिकारी तो लगातार 18 वर्षों तक एक ही स्थान पर पदस्थ थे। यह स्थिति विभाग के कार्य निष्पादन और कर संग्रहण में पारदर्शिता तथा निष्पक्षता की भावना को बाधित करती है।

विभाग में स्वीकृत 35 राज्य कर उपायुक्त पदों में से 17 अधिकारियों को पदोन्नति उपरांत नवीन पदस्थापना प्रदान की गई। शेष 8 उपायुक्तों में 3 अधिकारी पिछले 10 वर्षों से, 2 अधिकारी 8 वर्षों से तथा 3 अधिकारी 4-5 वर्षों से रायपुर में पदस्थ थे। इसके अतिरिक्त 8 उपायुक्त तथा 4 सहायक आयुक्त 5 वर्षों से अपने गृह जिले में ही कार्यरत थे। 178 राज्य कर अधिकारी/राज्य कर निरीक्षक भी पिछले 4-5 वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ थे, जिनमें से 34 राज्य कर अधिकारी एवं 45 राज्य कर निरीक्षक लगातार 5 वर्षों से अपने गृह जिले में ही नियुक्त थे। टैक्स कलेक्शन विभाग होने के कारण इतनी लंबी अवधि तक एक ही क्षेत्र में पदस्थ रहने से व्यापारिक संस्थाओं से व्यक्तिगत संबंध विकसित होने की संभावना बढ़ती है, जिससे कामकाज पर असर पड़ता है। वाणिज्यिक कर मंत्री ओ पी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस स्थिति में आवश्यक सुधार करते हुए राज्य में कर प्रशासन के विकेन्द्रीकरण और सुदृढ़ीकरण की दिशा में प्रभावी कदम उठाये गये हैं। पूर्व में विभाग के वृत्तों की संख्या 30 होते हुए भी विभागीय कार्यालय महज 15 जिलों में ही सीमित थे, जबकि राज्य सरकार के सभी प्रमुख विभागों के कार्यालय सभी जिलों में है।

बच्चों की शिक्षा में अभिभावकों की भागीदारी जरूरी: दयालदास बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम बदनारा में आयोजित विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने नव प्रवेशी विद्यार्थियों को शिक्षा की नई यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दीं और अपने प्रेरणादायक उद्बोधन से बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री बघेल ने बच्चों को पाठ्यपुस्तकें एवं गणवेश वितरित किए और मुंह मीठा कराकर उनका स्वागत किया। गुलाल और तिलक से बच्चों का पारंपरिक रूप से स्वागत कर शिक्षा की इस नई यात्रा की शुरुआत को उत्सव में बदला गया। उन्होंने विद्यालय में

निर्मित एक अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण भी किया। बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

अपने संबोधन में मंत्री बघेल ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है। विद्यालय एक ऐसा मंदिर है जहाँ से बच्चों का संपूर्ण विकास आरंभ होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। गणवेश, पाठ्यपुस्तक, मध्यान्ह भोजन, छात्रवृत्ति जैसी योजनाएँ इसी दिशा में मजबूत कड़ी हैं।

मंत्री बघेल ने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह बच्चों के सोचने-समझने और व्यवहार में बदलाव लाने वाली होनी चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास होना चाहिए कि गांव का हर बच्चा स्कूल आए, शिक्षा पाए और आत्मनिर्भर बने।

उन्होंने अभिभावकों से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे बच्चों की पढ़ाई में सक्रिय रुचि लें। आप अपने बच्चों से रोज पूछें कि आज स्कूल में क्या सीखा? इससे बच्चे न केवल उत्साहित होंगे, बल्कि शिक्षक भी बेहतर शिक्षण के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि शिक्षा के महत्व को समाज तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष खोर बाहरा साहू, अजय साहू, जिला शिक्षा अधिकारी सरपंच-पंचगण, शिक्षकगण, ग्रामीणजन और छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पीएम सूर्यघर योजना से उपभोक्ताओं को दोहरा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सौर ऊर्जा से किफायती बिजली पैदा कर घरों को रोशन करने और बिजली बिल में बड़ी राहत के उद्देश्य से पीएम सूर्यघर योजना में मिल रही भारी सब्सिडी से अब सोलर सिस्टम की लागत काफी कम हो गई है। पीएम सूर्यघर योजना के लिए केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी के साथ अब राज्य सरकार ने भी सब्सिडी दिए जाने का ऐलान कर दिया है।

केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार तक की सब्सिडी दी जा रही है, वहीं राज्य सरकार ने 30 हजार तक सब्सिडी दी जा रही है। इससे उपभोक्ताओं को दोहरा लाभ होगा। एक ओर जहां बिजली बिल में राहत मिल रही है वहीं सब्सिडी से सोलर सिस्टम

लगाने की लागत भी काफी कम आ रही है। रायगढ़ के छोटे अतरमुड़ा के रहने वाले श्री जी.बी.त्रिपाठी ने अपने घर की छत पर पीएम सूर्यघर योजना से सोलर सिस्टम लगवाया है। उन्होंने बताया कि पहले उनका औसतन बिल 1800 से 2500 रुपए तक आता था। हर महीने इतना बिल परेशानी का कारण था। लेकिन जब से सोलर सिस्टम लगवाया है बिल काफी घट गया है। एक महीने तो माइनस 3500 रुपए बिल आया। मतलब सोलर प्लेट से पैदा की बिजली से घर का काम भी चल गया और बची बिजली विद्युत विभाग के ग्रिड में ट्रांसफर करने से बिल में छूट भी मिली। उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छी योजना है। यह न केवल उपभोक्ताओं को आर्थिक रूप से राहत प्रदान करती है, बल्कि एक स्वच्छ और स्थायी ऊर्जा का एक विकल्प है। यह पर्यावरण के लिहाज से भी अत्यंत प्रभावी पहल है। उन्होंने अन्य लोगों को भी इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना में केंद्र सरकार की ओर से सब्सिडी दी जाती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा भी हितग्राहियों को 30 हजार तक की सब्सिडी दिए जाने का प्रावधान किया गया है। जिससे सोलर सिस्टम लगाने की लागत काफी कम हो गई है। इसमें 1 किलो वॉट क्षमता का सोलर प्लांट लगाने की लागत करीब 60 हजार रूपये आती है, इस पर केंद्र से 30 हजार और राज्य से 15 हजार सहित कुल 45 हजार रूपये सब्सिडी मिल रही है। उपभोक्ता पर सिर्फ 15 हजार रुपए का भार आता है। इसी प्रकार 2 किलो वॉट क्षमता का सोलर प्लांट लगाने पर 1 लाख 20 हजार रुपए की लागत आती है इस पर केंद्र से 60 हजार और राज्य से 30 हजार कुल 90 हजार सब्सिडी उपभोक्ता को प्राप्त होती है। उपभोक्ता को जेब से सिर्फ 30 हजार रुपए देने पड़ते है, जो कि वास्तविक लागत का सिर्फ 25 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से मनोज यादव ने बदली व्यवसाय की दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं, महिलाओं और उद्यमशील नागरिकों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में छोटे-मझोले उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करना, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हों और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले। योजना के अंतर्गत पात्र आवेदकों को निर्धारित परियोजना लागत पर अनुदान और बैंकों के माध्यम से ऋण की सुविधा प्रदान की जाती है। इसी योजना के अंतर्गत महासमुन्द जिले के बसना विकासखंड के ग्राम सराईपाली निवासी श्री मनोज कुमार यादव ने योजना का लाभ लेकर अपने छोटे कम्प्यूटर कार्य केंद्र (च्वाइस सेंटर) को विस्तार देने का कार्य किया। पूर्व में सीमित संसाधनों के साथ संचालित यह व्यवसाय मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के सहयोग से एक सफल स्वरोजगार इकाई में परिवर्तित हुआ है। मनोज यादव का पहले से एक छोटा-सा च्वाइस सेंटर था, जिसे वे लंबे समय से चला रहे थे। वे अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते थे, परंतु आर्थिक संसाधनों की कमी एक बड़ी चुनौती थी। इसी बीच उन्हें ग्रामोद्योग विभाग, जिला पंचायत महासमुन्द द्वारा संचालित मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की जानकारी मिली। मनोज ने इस योजना के अंतर्गत आवेदन किया और एक लाख रुपए की लागत पर परियोजना स्वीकृत हुई। इसमें से उन्हें 35 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ और शेष राशि का ऋण उन्होंने बैंक से प्राप्त किया।

सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे घर-'प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना' बनी ऊर्जा स्वावलंबन की मिसाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में सौर ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आमजन के जीवन में परिवर्तन लाने वाला सशक्त माध्यम बन चुका है। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना और राज्य सरकार की सहभागिता से अब आम घरों की छतें ऊर्जा उत्पादन केंद्र में बदल रही हैं।

भारत सरकार की इस पहल के तहत घरों की छतों पर 1 से 10 किलोवाट तक के ऑन-ग्रिड सोलर प्लांट स्थापित करने पर 30,000 से लेकर ?78,000 तक की सब्सिडी दी जा रही है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अतिरिक्त ?30,000 की प्रोत्साहन राशि घोषित किए जाने के बाद यह योजना आमजनों के लिए और अधिक किफायती व व्यवहारिक हो गई है।

खैरागढ़ की निवासी श्रीमती भारती सिंह ने अपने मकान की छत पर 10 किलोवाट क्षमता

का सोलर प्लांट स्थापित किया है। उन्हें केंद्र सरकार से ?78,000 और राज्य सरकार से ?30,000 की सब्सिडी मिली। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा से न केवल बिजली बिल में 70 से 75 प्रतिशत तक की बचत हो रही है, बल्कि उन्हें अब निर्बाध, स्वच्छ और हरित ऊर्जा की सुविधा भी मिली है। भारती सिंह ने बताया कि पहले हर महीने बिजली बिल का बोझ रहता था। अब वही खर्च बचत में बदल गया है। सूर्यघर योजना ने हमारी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है और ऊर्जा की आत्मनिर्भरता दी है। विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता अशोक कुमार द्विवेदी ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने जिले से आवेदकों आ रहे है। उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर शिविरों और जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को योजना की जानकारी दी जा रही है। इसका असर यह है कि अब गांव-गांव में लोग सोलर प्लांट लगाने के लिए आगे आ रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा हाल ही में जारी निर्देशों के अनुसार, योजना के आवेदन, निरीक्षण और इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी बनाया गया है।

इसके लिए एकीकृत पोर्टल भी विकसित किया गया है, जिससे उपभोक्ता घर बैठे आवेदन कर सकते हैं। यह योजना केवल आर्थिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटने से प्रदूषण में कमी आई है और हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिला है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ जीवन कमलेश ठाकुर हुआ आत्म निर्भर

रायपुर। बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम भरदा निवासी कमलेश कुमार ठाकुर के लिए केंद्र सरकार की ''पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'' किसी वरदान से कम नहीं है। इस योजना ने न केवल उनकी बिजली की समस्या को हल किया, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल सौर ऊर्जा के माध्यम से उनके जीवन को नई रोशनी प्रदान की है। कमलेश ठाकुर ने बताया कि उनका घर गाँव से कुछ दूरी पर स्थित है, जिसके कारण उनके घर में बिजली की आपूर्ति में हमेशा समस्याएँ बनी रहती थीं। बिजली की अनियमितता उनके दैनिक जीवन को प्रभावित करती थी। जब उन्हें पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत ऑनलाइन आवेदन किया। उनकी त्वरित कार्रवाई का परिणाम यह हुआ कि छह महीने पहले उनके घर में 03 किलोवाट का सोलर सिस्टम स्थापित कर दिया गया। इस सोलर सिस्टम ने कमलेश के घर की बिजली की समस्या को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। वे बताते हैं कि सोलर पैनल से इतना अधिक बिजली उत्पादन हो रहा है कि उनकी खपत के बाद भी बिजली बिल शून्य हो गया है। इससे न केवल उनकी आर्थिक बचत हुई है, बल्कि उन्हें बिजली की उपलब्धता के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सरपंच पति हॉस्पिटल से हो गया था गायब, चाय ठेले में मिली लाश

जगदलपुर। शहर में आत्महत्या का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक इलाजरत सरपंच पति ने अस्पताल से भागकर फांसी लगा ली और अपनी इहलीला ख़त्म कर ली। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल रवाना कर दिया है। पुलिस भी इसे आत्महत्या मानकर जांच-कार्रवाई में जुटी हुई है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जगदलपुर विकासखंड के कावापाल पंचायत के सरपंच के पति कमलोचन बघेल डिमरापाल अस्पताल में दाखिल था। यहां उसका इलाज चल रहा था। इसी बीच शनिवार को शाम 5:30 बजे बिना किसी को कुछ बताये अचानक गायब हो गया। जबकि आज सुबह कमलोचन की लाश जगदलपुर एसपी दफ्तर के सामने स्थित एक चाय के ठेले के पास फांसी पर लटकते हुए बरामद की गई। कमलोचन बघेल ने किन वजहों से यह आत्मघाती कदम उठाया, इसकी जाँच की जा रही है।

डायरिया की चपेट में 24 ग्रामीण चार वार्डों में दहशत

बलौदाबाजार। जिले के नगर पंचायत पलारी क्षेत्र में डायरिया का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। नगर पंचायत पलारी के वार्ड क्रमांक 1 से 4 तक के वार्डों में उल्टी-दस्त के लक्षणों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। फिलहाल 24 से अधिक मरीजों को पलारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

वार्ड क्रमांक 4 में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर इलाज किया जा रहा है। इसके अलावा पलारी स्वास्थ्य केंद्र में अतिरिक्त बेड लगाए गए हैं। साथ ही आसपास के क्षेत्रों के डॉक्टरों की ड्यूटी भी केंद्र में लगाई गई है, जिससे किसी प्रकार की चिकित्सकीय व्यवस्था में कमी न हो। डॉ. पंकज वर्मा, जो इस समय सीएचसी पलारी में मरीजों का इलाज कर रहे हैं ने बताया कि, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और सभी भर्ती मरीजों का इलाज निरंतर जारी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि, वे खान-पान में विशेष सतर्कता बरतें, पानी को उबालकर ही पिएं और पुराने, सड़े-गले फल-सब्जियों का सेवन न करें।

फाइनेंस कर्मी गिरफ्तार, फर्जी लूट का हुआ खुलासा

राजनांदगांव। महाराष्ट्र सीमा पर बोरतालाब के पास 20 जून को फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी के साथ हुई लूट की शिकायत झूठी निकली है। कर्मचारी ने खुद ही दो लाख रुपए का गबन कर लिया था। इसके बाद उसने सुनसान सड़क पर उसके साथ हुई लूट की कहानी गढ़ बोरतालाब थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बहरहाल पुलिस ने लूट की पूरी कहानी का खुलासा करते हुए कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल ईसाफ फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी मयूर अडमे ने खुद से लूट होने की शिकायत पुलिस से दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया था कि 20 जून को किस्त की राशि का कलेक्शन कर लौटते वक्त अज्ञात लोगों ने उससे मारपीट कर नकदी रकम दो लाख सहित मोबाइल चैन अंगूठी की लूट कर ली गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी तो सामने आया कि मयूर अडमें से किसी तरह की लूट नहीं हुई है बल्कि वह झूठी कहने गढ़ रहा है। कड़ाई से पूछताछ में उसने बताया कि उस पर कर्ज है, जिसे चुकाने उसने खुद से लूट की साजिश रची थी। रुपए उसने अपने घर में छुपा दिए है। पुलिस ने रकम और समान बरामद कर लिया है। आरोपी कर्मचारी को जेल दाखिल करा दिया गया है।

दुर्ग जिले में बड़ी चोरी का खुलासा : 33 तोला सोना सहित 50 लाख का माल बरामद, चोरों के साथ खरीदार भी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस शनिवार को चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। कोतवाली थाना दुर्ग क्षेत्र के महावीर कॉलोनी में हुई चोरी के मामले में पुलिस न अंतरराज्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 332 ग्राम सोना, 3 किलो 300 ग्राम चांदी व 9.76 लाख रुपए नगदी के साथ ही एक मोटर साइकिल बरामद किया है। आरोपियों ने पुलिस से बचने चोरी का माल गड्ढे में गाड़ दिया था। पुलिस ने चोरों के साथ खरीदार को भी गिरफ्तार किया है। इस तरह कुल पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार चोरी की यह घटना 24 जून की रात की है। महावीर कालोनी दुर्ग में एक मकान में अज्ञात चोरों द्वारा खिड़की को तोड़कर घर अंदर प्रवेश किया। घर के अंदर से नगदी एवं सोने चांदी के जेवरात चोरी कर ले गये। इस मामले में रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में धारा 331(4), 305 बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना एवं माल -मुल्जिमों की पतासाजी के लिए टीम गठित किया गया। टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर अज्ञात आरोपियों की पता तलाश की जा रही थी। आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया गया। सायबर टीम की मदद ली गई और मुखबिर लगाए गये।

सीसीटीवी के अवलोकन पर घटनास्थल के आसपास 2 संदेही एक स्पलेण्डर मोटर सायकल में घूमते दिखाई दिए। इसकी जानकारी जुटाई गई। मोटर साइकल सवारों की पहचान रंजीत डहरे एवं रोशन मारकंडें के रूप में किया गया। रंजीत डहरे एवं रोशन मारकंडें के बारे में पतासाजी के लिए सायबर सेल की मदद ली गई, जिसमें दोनों संदेहियों का ग्राम केकराजबोड जिला खैरागढ में होना पता चला। इस जानकारी के आधार पर टीम तत्काल ग्राम केकराजबोड जिला खैरागढ पहुंचकर घेराबंदी कर रंजीत डहरे एवं रोशन मारकंडें को पकड़ कर पूछताछ की गई।

इनके द्वारा महावीर कालोनी में चोरी करना स्वीकार किया गया। चांदी के आभूषण को आकाश सोनी, मिनीमाता नगर नागपुर निवासी को बेच दिया। वहीं सोने के आभूषणों एवं नगदी पैसों को केकराजबोड जिला खैरागढ निवासी योगेश्वरी उर्फ जुगरी मारकंड़े एवं रविशंकर बंजारे लखौली राजनांदगांव के पास बेचने के लिए रखना बताया। योगेश्वरी उर्फ जुगरी मारकंडे नेचोरी की संपत्ति को पुलिस से बचाने के लिए जमीन में गाड दिया था जिसे डीएसएमडी का उपयोग कर सोने, चांदी एवं नगदी रकम बरामद किया गया। साथ ही रविशंकर बंजारे से भी नगदी रकम एवं सोने चांदी के जेवरात बरामद किया गया। संपूर्ण कार्यवाही का ई-साक्ष्य का प्रयोग किया गया।।

आरोपियों के कब्जे से चोरी के 332.110 ग्राम सोने के जेवरात, 3 किलो 300 ग्राम चांदी के जेवरात एवं 9.76 लाख नगदी रकम, जुमला कीमती करीबन 50 लाख रुपये जप्त किया गया। मामले की अग्रिम कार्यवाही थाना दुर्ग से की जा रही है। आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकार्ड भी रहा है। उक्त कार्यवाही में एसीसीयू एवं थाना दुर्ग की उल्लेखनीय भूमिका रही ।

गिरफ्तार आरोपियों में रंजीत डहरे, 30 वर्ष पता- ग्राम लिटिया थाना लालबाग राजनांदगाव । रोशन मारकंडे, 23 वर्ष, पता- मिनीमाता नगर थाना कलमना नागपुर। योगेश्वरी उर्फ जुगरी मारकंडे, 32 वर्ष, पता- केकराजबोड थाना जालबांधा खैरागढ़। रविशंकर बंजारे, 32 वर्ष, पता- लखौली थाना कोतवाली राजनांदगाव। आकाश मन्नालाल सोनी, 28 वर्ष पता- मिनीमाता नगर थाना कलमना नागपुर शामिल हैं।

पुरानी रंजिश के चलते बुजुर्ग की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। घरघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम बिजारी में पुरानी रंजिश के चलते एक 75 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को घटना के कुछ घंटों के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

घटना की जानकारी देते हुए प्रार्थी रमेश्वर साहू पिता स्व. मायाराम साहू (उम्र 55 वर्ष), निवासी ग्राम बिजारी, ने पुलिस को बताया कि उसके चाचा मस्तराम साहू (उम्र 75 वर्ष) 28 जून की सुबह गांव के ही रामचरण चौहान के घर डॉक्टर की जानकारी लेने पहुंचे थे। दरअसल, मस्तराम साहू अपनी आंख का ऑपरेशन कराना चाहते थे, इसी सिलसिले में चर्चा कर रहे थे। उसी दौरान रामचरण का भाई शिवचरण चौहान वहां पहुंचा। बताया जा रहा है कि शिवचरण और मस्तराम के बीच पहले से आपसी विवाद चला आ रहा था।

इसी रंजिश को लेकर शिवचरण ने मौके पर ही अपने पास रखे धारदार टांगी से मस्तराम साहू के गले पर वार कर दिया, जिससे वे मौके पर ही गिर पड़े। गंभीर चोट लगने से मस्तराम साहू की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। हत्या के बाद आरोपी शिवचरण टांगी लेकर वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना पर टीआई घरघोड़ा कुमार गौरव साहू तत्काल अपने स्टाफके साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी शिवचरण चौहान पिता स्व. बस्तीराम चौहान (उम्र 60 वर्ष), निवासी ग्राम बिजारी को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने जुर्म स्वीकार कर लिया है, आरोपी से प्रयुक्त आलाजरब एक लोहे का धारदार टांगी की जप्ती की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 168/2025 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी को आज न्यायालय में पेश कर ज्युडिशियल रिमांड पर भेज दिया गया है। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

प्लांट में चोरी:5 आरोपी गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कोतरारोड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत जोरापाली स्थित जगदम्बा ट्रेलर्स एवं स्ट्रक्चर्स प्लांट के यार्ड से वाहन पार्ट्स चोरी का मामला सामने आया, जिसमें पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार युवक और एक विधि से संघर्षरत बालकों को हिरासत में लिया है। आरोपियों के कब्जे से पूरा चोरी का माल बरामद कर लिया गया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जय कुमार वस्त्रकार पिता राज कुमार वस्त्रकार (26 वर्ष) निवासी गोरखा, जो उक्त प्लांट में एचआर पद पर कार्यरत है, ने थाना कोतरारोड़ में शिकायत दर्ज कराई कि दिनांक 27 जून की सुबह जब वह प्लांट के यार्ड में पहुंचे, तो पाया कि वहां रखे डिस्क की संख्या कम है। संदेह होने पर उन्होंने प्लांट के सीसीटीवी कैमरे की जांच की, जिसमें चार-पांच संदिग्ध युवक यार्ड से डिस्क, ड्रम व अन्य सामान चोरी कर ले जाते नजर आए।

यार्ड में मौजूद सामान की गिनती करने पर पता चला कि पांच नग डिस्क (कीमत 35,000 रुपये), तीन नग ड्रम (कीमत 25,000 रुपये) और एक इंजन हेड (कीमत 30,000 रुपये) कुल लगभग 90,000 रुपये का माल चोरी हुआ है। घटना रात 26 जून से सुबह 27 जून के बीच की बताई जा रही है। जय कुमार की रिपोर्ट पर थाना कोतरारोड़ में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 274/25 धारा 303(2), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पतासाजी शुरू की गई। जांच के दौरान ग्राम बरमुड़ा के चार युवकों — शिवा सिदार, विक्रम सिदार, शुभम सिदार और जयशंकर सिदार की पहचान हुई।

आरोपी शिवा सिदार को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने कबूल किया कि उसने अपने साथी विक्रम, शुभम, जयशंकर और एक अपचारी बालकों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस टीम ने चोरी गए चार नग डिस्क (कीमत 28,000 रुपये), चार नग ड्रम (कीमत 32,000 रुपये) और एक इंजन हेड (कीमत 30,000 रुपये), कुल 90,000 रुपये का सामान गवाहों के समक्ष बरामद किया। आरोपियों को आज न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है, वहीं विधि से संघर्षरत बालकों को किशोर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया।

गिरफ्तार आरोपी में 1. शिवा सिदार पिता बोधन साय, उम्र 18 वर्ष, निवासी बरमुड़ा, थाना कोतरारोड़। 2. शुभम सिदार पिता प्रभाकर सिदार, उम्र 18 वर्ष, निवासी बरमुड़ा, थाना कोतरारोड़। 3. विक्रम सिदार पिता दिलेश्वर सिदार, उम्र 22 वर्ष, निवासी बरमुड़ा, थाना कोतरारोड़। 4. जयशंकर सिदार पिता मोहितराम सिदार, उम्र 36 वर्ष, निवासी डीपापारा बरमुड़ा, थाना कोतरारोड़। साथ ही एक विधि से संघर्षरत बालक हिरासत में। कोतरारोड़ पुलिस द्वारा चोरी गए पूरे सामान की बरामदगी से क्षेत्र में स्थापित प्रतिष्ठानों ने राहत की सांस ली है, वहीं आरोपियों पर पुलिस की कड़ी कार्रवाई जारी है।

स्कीम के नाम पर करोड़ों की ठगी, अंतरराज्यीय गिरोह के 3 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ओला-उबेर की तर्ज पर 'बाइक बोट स्कीम' के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के मुख्य सरगना संजय भाटी सहित तीन आरोपियों को रायपुर पुलिस की सिविल लाइन थाना टीम ने गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां वर्ष 2019 में दर्ज धोखाधड़ी के एक मामले के सिलसिले में की गई हैं। पुलिस के अनुसार, संजय भाटी, करणपाल सिंह और राजेश भारद्वाज नामक आरोपी बाइक बोट स्कीम के जरिए निवेशकों से प्रति बाइक 62,100 जमा कराते थे और फिर हर माह 9,765 मुनाफा देने का झांसा देते थे। इस स्कीम के माध्यम से देशभर में हजारों लोगों को ठगा गया।

आरोपियों ने M/s Garvit Innovative Promoters Ltd. नामक कंपनी के बैनर तले वर्ष 2017 से बाइक बोट स्कीम की शुरुआत की थी। इस स्कीम में झांसे में आए लोगों ने करोड़ों रुपये निवेश कर दिए, लेकिन कुछ ही महीनों बाद भुगतान बंद हो गया। रायपुर निवासी अखिल कुमार बिसोई की शिकायत पर सिविल लाइन थाना में वर्ष 2019 में अपराध क्रमांक 463/2019, धारा 420, 406, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया था।

देशभर में 200 से अधिक मामले दर्ज संजय भाटी के खिलाफ अकेले उत्तर प्रदेश में 150, राजस्थान में 50, मध्यप्रदेश में 6 और अन्य राज्यों — गुजरात, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, नागपुर, आंध्र प्रदेश — में कुल 200 से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसके विरुद्ध धारा 138 NIA एक्ट के तहत 1500 से अधिक मामले भी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और अन्य राज्यों में दर्ज हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने भी विभिन्न प्रकरणों में आरोपियों की संपत्तियों को अटैच किया है। गिरोह पर 2800 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी का गंभीर आरोप है।

गिरफ्तारी और रिमांड प्रक्रिया रायपुर पुलिस की टीम को जानकारी मिली कि आरोपी राजस्थान की केन्द्रीय जेल, भरतपुर-जयपुर में न्यायिक हिरासत में हैं। इसके बाद माननीय न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट जारी कर तीनों को गिरफ्त में लिया गया और पुलिस रिमांड पर रायपुर लाया गया। गिरफ्तार आरोपी संजय भाटी (51) ग्राम चीती, थाना दकनौर, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश करणपाल सिंह (57) गंगासागर, डिफेंस कॉलोनी, मेरठ, उत्तर प्रदेश राजेश भारद्वाज (58) खुर्जा नगर, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश पुलिस का अभियान जारी IG रायपुर अमरेश मिश्रा और SSP लाल उमेद सिंह के निर्देश पर लंबित प्रकरणों और आर्थिक अपराधों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। थाना सिविल लाइन पुलिस ने इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सरगनाओं को दबोचने में सफलता पाई है।

बड़ी सफलता: करोड़पति साइबर ठग सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों में ऑनलाइन ठगी कर करोड़ों की कमाई करने वाले एक अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बस्तर पुलिस ने मुख्य आरोपी अब्दुल मजीद समेत तीन लोगों को जामताड़ा (झारखंड) और मुंबई से गिरफ्तार किया है। गिरोह ने APK फाइल (एंड्रॉइड पैकेज किट) के माध्यम से लोगों के मोबाइल फोन हैक कर कुल 1 करोड़ 15 लाख 775 रुपये की धोखाधड़ी की थी, जिसमें से 7 लाख रुपये की ठगी बस्तर के लोगों से हुई।

कैसे हुआ खुलासा जनवरी 2025 में जगदलपुर के तिरंगा चौक निवासी अमलेश कुमार ने बोधघाट थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि एक्सिस बैंक कस्टमर केयर के नंबर से उन्हें फोन आया और लोन का प्रस्ताव दिया गया। लोन मना करने के बावजूद उनके मोबाइल पर OTP आने लगे और खाते से क्रमशः 500, 4 लाख, 500 व 3.40 लाख रुपये कट गए। बैंक जांच में पता चला कि 21 जनवरी को उनके नाम पर 7.33 लाख रुपये का फर्जी लोन नेट बैंकिंग के माध्यम से लिया गया और मेल ID भी बदल दी गई थी।

साइबर टीम की मेहनत और जाल बिछाया गया एसपी शलभ सिन्हा ने तत्काल DSP गीतिका साहू और साइबर निरीक्षक गौरव तिवारी की अगुवाई में एक विशेष टीम गठित की। टीम ने मोबाइल नंबर और बैंक खातों की ट्रेसिंग, सीडीआर एनालिसिस और लोकेशन ट्रैकिंग की। जांच में ठगों की लोकेशन जामताड़ा और मुंबई में मिली। इसके बाद निरीक्षक शिवानंद, दिलबाग सिंह और दो अन्य जवानों की टीम को मौके पर भेजा गया, जहाँ मुंबई से कार्तिकेय राय (20) और संतोष कुमार (41) को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही मुख्य आरोपी अब्दुल मजीद (45) को जामताड़ा, झारखंड से दबोचा गया।

अब तक की जांच में क्या सामने आया आरोपी APK फाइल भेजकर लोगों के मोबाइल हैक कर खाते तक पहुंच बनाते थे फर्जी नामों से 116 से अधिक बैंक खाते खुलवाए गए बस्तर समेत 5 राज्यों में 1 करोड़ 15 लाख रुपये से अधिक की ठगी अब्दुल मजीद के पास जामताड़ा में करोड़ों की संपत्ति, लग्जरी गाड़ियां, और पहले से डकैती व फ्रॉड के मामले दर्ज ठगी के पैसे परिचितों के नाम से खुले खातों में ट्रांसफर किए जाते थे पुलिस ने आरोपियों के पास से पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड, मोबाइल डिवाइस और दस्तावेज बरामद किए एसपी की अपील: सावधान रहें एसपी शलभ सिन्हा ने कहा कि यह गिरोह बड़े नेटवर्क का हिस्सा है, जिसमें अब्दुल मजीद मास्टरमाइंड है, लेकिन उससे ऊपर भी कई लिंक हो सकते हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि अनजान नंबर से आए किसी भी APK फाइल या लिंक को न खोलें, और बैंक से जुड़े किसी भी संदेहजनक कॉल से सतर्क रहें।

एटीएम मशीन को किया हैक पुलिस ने शुरू की जांच

रायपुर। राजधानी के आमानाका थाना क्षेत्र में एटीएम से छेड़खानी करके ग्राहकों के रुपए फंसाकर उसे चुराने की आधा दर्जन से ज्यादा घटनाओं की सूचना पुलिस तक पहुंची है।

वारदात एक ही बैंक आईडीबीआई के एटीएम बूथ में हुई, जो टाटीबंध के ए-टू जेड चौक पर स्थित है। दो दिनों तक गैंग ने एक ही एटीएम को टारगेट किया। जो भी ग्राहक यहां रुपए निकालने पहुंचा, सफल नहीं हो पाया। उनके खाते से रुपए जरूर कट गए। लोग एक दिन तो तकनीकी खराबी समझकर एकाउंट में रकम वापस आने का इंतजार करते रहे लेकिन जब बैंक पहुंचे तो पता चला कि उनके खाते से रकम निकल चुकी है। बैंक की ओर से शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों को आशंका है कि राजस्थान का गैंग यहां आया, दो दिन एक्टिव रहा और एक लाख रुपए से ज्यादा एटीएम से उड़ाकर निकल गया। ग्राहकों समझते रहे तकनीकी खराब के कारण पैसा नहीं निकला टीआई सुनील दास के अनुसार आमानाका थाने में दो दिन पहले आईडीबीआई बैंक की ब्रांच मैनेजर अमृता मीढ़ा ने छह एकाउंट धारकों की रकम धोखाधड़ी करके निकाल लिए जाने की सूचना दी है।

एग्री-हॉर्टी एक्सपो का शुभारंभः सीएम साय ने कहा- कृषि विकास के इतिहास में आज का दिन साबित होगा मील का पत्थर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से कृषि क्रांति अभियान अंतर्गत एग्री-हॉर्टी एक्सपो एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का वर्चुअली शुभारंभ किया। जिला पंचायत में दो दिनों तक चलने वाली इस आयोजन में देश की कई बड़ी कृषि कंपनियां जैसे-जियो मार्ट रिटेल, देहात, हॉनेस्ट फॉर्म, आत्माकुर, धरागरी, अवनी आयुर्वेदा इत्यादि उपस्थित रहेंगे। जिनसे जिले के किसान एफपीओ के माध्यम से अपने उपज का उचित मूल्य प्राप्त होने पर फसल विक्रय एग्रीमेंट कर सकेंगे तथा बिचौलिया प्रथा समाप्त होने से किसानों को अपने उपज का उचित मूल्य प्राप्त होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जशपुर के कृषि विकास के इतिहास में आज का दिन मील का पत्थर साबित होने वाला है। जिला प्रशासन के अभिनव प्रयास से 'कृषि क्रांति' अभियान की शुरूआत हो रही है। हमारा देश कृषि प्रधान है। छत्तीसगढ़ में लगभग 80 प्रतिशत लोग कृषि और कृषि संबंधी कार्यों से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना फसल बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि सहित कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

कलेक्टर ने बताया क्या होंगे लाभ

कलेक्टर रोहित व्यास ने एग्री-हॉर्टी एक्सपो एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन के महत्व और इनसे कृषकों को होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया। जिला पंचायत से वर्चुअली जुड़े जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने एक वीडियो प्रजेंटेशन के माध्यम से सम्मेलन में तहत होने वाले नवाचार और विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में बताया। इस दौरान आईजी दीपक कुमार झा, पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह बगिया से और जिला पंचायत में वर्चुअली तौर पर नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम भगत सहित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

जल का संरक्षण किया जाना चाहिए

रायगढ़ से वर्चुअली जुड़े सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि जल का संरक्षण किया जाना चाहिए इससे किसानों को लाभ मिलेगा और उनकी आमदनी में इजाफा होगा। जिला पंचायत से वर्चुअली जुड़ी विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि जशपुर जिला नवाचार को तेजी से अपना रहा है। इस सम्मेलन के माध्यम से किसानों और कंपनियों के बीच सीधा अनुबंध होगा और उन्हें लाभ मिलेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय ने अपने संबोधन में कहा कि जिले में व्यस्थित तरीके से खेती और प्रबंधन किया जाय तो किसानों को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। जशपुर आम, मिर्च, नाशपाती में अग्रणी है। उन्होंने धान के साथ दलहन और तिलहन की खेती किए जाने के लिए विषय प्रयास लिए जाने पर जोर दिया।

किसानों की आमदनी बढ़ाने का प्रयास कर रही हमारी सरकार

सीएम साय ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए बहुस्तरीय प्रयास कर रही है। चाहे वह समर्थन मूल्य पर 3100 रुपए प्रति क्विंटल के मान से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी हो, समर्थन मूल्य पर वनोपज का संग्रहण हो, या प्रोसेसिंग और निर्यात से जुड़ी योजनाएं हों। जशपुर में कटहल, आम, लीची, नाशपाती बहुतायत में होती है। यहां पर सेव की भी फसल होने लगी है।इस सम्मेलन के माध्यम से किसानों और खरीदार कंपनियों के बीच सीधा संवाद स्थापित होगा। यह एक ऐसा मंच है जहाँ से एफपीओ. (किसान उत्पादक संगठन) के माध्यम से किसानों की उपज को सीधा बाजार मिलेगा, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल सकेगा।

कृषि वैज्ञानिक सभी जिलों में दे रहे सॉइल की जानकारी

मुख्यमंत्री ने सॉइल हेल्थ कार्ड के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि इससे किस जमीन पर क्या उत्पादन ज्यादा होगा और कितना खाद की जरूरत होगी इसके लिए केंद्र से आए कृषि वैज्ञानिक पूरे राज्य में जाकर सॉइल हेल्थ के बारे में लोगों को जागरूक कर रहे हैं। राज्य में कृषि के साथ पशु पालन, मछली पालन और डेयरी विकास को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। डेयरी विकास योजना के पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयनित 6 जिलों में जशपुर भी शामिल है।

एग्री-हॉर्टी एक्सपो में मिलेगी उन्नत तकनीकों की जानकारी

सम्मेलन के माध्यम से किसानों को उन्नत तकनीक की जानकारी देने के उद्देश्य से नाबार्ड एवं एपेडा जैसे संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित होकर एग्रीकल्चर मार्केटिंग, जैव उत्पादों का प्रमाणीकरण इत्यादि विषयों पर किसानों को जानकारी देंगे। राज्य के वरिष्ठ वैज्ञानिक फसल किस्मों का जीआई टैग, कृषि एवं उद्यानिकी फसलों के वैज्ञानिक पद्धति से खेती तथा रेशम विशेषज्ञों द्वारा किसानों को रेशम पालन की जानकारी दी जायेगी साथ ही कम्पनी एवं किसान के मध्य कान्ट्रैक्ट फार्मिंग विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया है जिसमें कम्पनी एवं कृषकों के मध्य अनुबंध हस्ताक्षर किया जावेगा।

कार्यक्रम में फसल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है जिसमें जिले के एफपीओ से जुडे किसान एवं प्रगतिशील किसान अपने फसल जैसे जैविक धान, कुटकी, रागी, नाशपाती, लीची, रामतिल, टाऊ, मिर्च, सुगंधीत धान इत्यादि का किस्मवार गुणवत्ता का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम अंतर्गत आम एवं नाशपाती तथा नवाचार प्रतियोगिता आयोजन किया गया है। विजेता किसान को पुरस्कार राशि का भेंट कर अगामी समय में नवाचार एवं उन्नतशील खेती करने प्रोत्साहित किया जाएगा।

तपकरा को मिली नई पहचान: मुख्यमंत्री साय ने तहसील कार्यालय का किया शुभारंभ, नगर पंचायत बनाने की भी घोषणा

विकास के हर मोर्चे पर 'मोदी की गारंटी' को पूरा कर रहा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के तपकरा में तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी कार्यालय का शुभारंभ किया। विदित हो कि 14 जनवरी को जशपुर जिले के प्रवास पर मुख्यमंत्री ने तपकरा को पूर्ण तहसील बनाने की घोषणा की थी। तहसील बनने से इसका लाभ 33 ग्रामों के किसानों, छात्रों और नागरिकों को मिलेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने तपकरा को नगर पंचायत बनाने, तपकरा स्थित खेल स्टेडियम के सौंदर्यीकरण के लिए 50 लाख रुपए स्वीकृत करने और फसाबहार में विश्राम गृह निर्माण करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार विकास के हर मोर्चे पर मोदी की गारंटी को तेजी से लागू कर रही है। सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए। महिलाओं को सशक्त

बनाने महतारी वंदन योजना के माध्यम से 70 लाख महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपए दिए जा रहे हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों की आय में वृद्धि के लिए तेंदूपत्ता का समर्थन मूल्य प्रति मानक बोरा 5,500 रुपए किया गया है। गांव में ही बैंकिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अटल डिजिटल सेवा केंद्र खोले जा रहे हैं।आगामी पंचायत दिवस पर सभी ग्राम पंचायतों में इसे शुरू करने की योजना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम नागरिकों की सुविधा के लिए रजिस्ट्री में 10 नई क्रांतियों के तहत नवाचारों का बेहतर उपयोग कर पंजीयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल, डिजिटल और नागरिक केंद्रित बनाया गया है। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने बताया कि यहां तहसील कार्यालय खुलने से किसानों, भूस्वामियों, छात्रों और नागरिकों को विशेष सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि एसडीएम फसाबहार का लिंक कोर्ट भी आगामी सोमवार से प्रारंभ हो जाएगा।

विधायक गोमती साय ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। आम नागरिकों की सुविधा के लिए राज्य सरकार पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, भरत साय, रोहित साय, आईजी दीपक कुमार झा, पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह, तपकरा सरपंच सविता जायसवाल सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन रथ यात्रा में हुए सम्मिलित

भगवान जगन्नाथ का लिया आशीर्वाद, खींचा रथ, की परिक्रमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन शुक्रवार को रथ यात्रा के पावन अवसर पर कोरबा शहर के दादर खुर्द, बालको नगर राम मंदिर, खरमोरा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आयोजित रथयात्रा में शामिल होकर विधि विधान के साथ भगवान जगन्नाथ का पूजन कर उनकी आरती उतारी। इसके बाद भक्तों ने भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के रथ को खींचकर रवाना किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत भी उपस्थित रहीं।

दादारखुर्द में भक्तो को इस पावन अवसर की बधाई देते हुए कहा कि यह उत्सव सनातन संस्कृति की प्राचीनता के साथ-साथ उसकी निरन्तरता का भी

प्रतीक है।

कई शताब्दियों से यह उत्सव एकता के प्रतीक के रूप में मनाया जाता रहा है। मंत्री देवांगन ने कहा कि मैं सौभग्यशाली हूँ की मुझे बचपन से इस रथयात्रा में शामिल हो कर आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिलता रहा है।

इस अवसर पर प्रफुल्ल तिवारी,, सभापति नूतन सिंह, पार्षद नरेन्द्र देवांगन, लक्ष्मण श्रीवास, सुनीता चौहान, मीना लहरे, मंडल अध्यक्ष डॉ राजेश लहरे, अजय विश्कर्मा, रुक्मणि नायर, रामकुमार राठौर, मुकुंद सिंह कंवर सहित अन्य उपस्थित थे।

डॉ आंबेडकर बिजनेस कॉन्क्लेव एवं एक्सिलेंस अवॉर्ड्स, सीएम साय ने कहा-

छत्तीसगढ़ में उद्योग-धंधों के लिए है अनुकूल माहौल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के फलस्वरूप कृषि के साथ-साथ उद्योग-धंधों के लिए भी एससी-एसटी सहित सभी वर्गों के लिए अनुकूल वातावरण पूरे प्रदेश में बना हुआ है। यही वजह है कि अब तक प्रदेश में लगभग साढ़े पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। उक्त बातें मुख्यमंत्री साय ने रायपुर में आयोजित डॉ. आंबेडकर बिजनेस कॉन्क्लेव एवं एक्सिलेंस अवॉर्ड्स समारोह में कही। उन्होंने दलित चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) द्वारा आयोजित इस कॉन्क्लेव को नव उद्यमियों को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया एवं छत्तीसगढ़ में आयोजन के लिए बधाई दी।

इस दौरान साय ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के नव उद्यमियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया। कॉन्क्लेव में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लगभग 800 से अधिक नव उद्यमियों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने यहां नई औद्योगिक नीति को अपनाया है, जिसे बहुत परिश्रम से हमारी सरकार ने तैयार कर प्रदेश में उद्योग के क्षेत्र में नई संभावनाओं को पंख देने का कार्य

किया है। इसके तहत देश के बड़े मेट्रो शहरों में इंडस्ट्रियल समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत इतने कम समय में ही 5.50 लाख करोड़ रुपये का निवेश विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त हुआ है। सीएम साय ने कहा अकेले पावर सेक्टर में ही 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है। हमारी औद्योगिक नीति का ही परिणाम है कि आज रायपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा सेंटर सहित सेमीकंडक्टर निर्माण इकाइयों की स्थापना हो रही है। सीएम साय ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समाज के लोगों को उद्यमिता के क्षेत्र में बढ़ावा देने से ही देश विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर होगा।

हमें आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करना है, जिसके लिए हमें उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ना ही होगा।

इस अवसर पर दलित चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के फाउंडर चेयरमैन पद्मश्री डॉ. मिलिंद कांबले ने वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए 360 डिग्री अप्रोच वाली योजना की आवश्यकता बताई, जिससे उद्यमिता के क्षेत्र में बढ़ रहे अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को उद्योग से संबंधित उच्चस्तरीय प्रबंधन, टेक्नोलॉजी, वित्तीय प्रबंधन, सब्सिडी, मार्केट लिंकेज तथा मार्केटिंग जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों की त्वरित जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। इस दौरान उन्होंने डिक्की के उद्देश्यों के बारे में भी विस्तार से जानकारी साझा की। कार्यक्रम में डिक्की के नेशनल प्रेसिडेंट रवि कुमार नर्रा ने कार्यक्रम की भूमिका संबंधी जानकारी प्रस्तुत की।

मुख्यमंत्री ने सम्पर्क स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट ब्लाक कार्यक्रम का किया शुभारंभ, बच्चों से ली शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी

50 प्राथमिक स्कूलों के बच्चों के लिए सम्पर्क स्मार्ट किट वितरण किए

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज कांसाबेल विकास खंड के बगिया हाई स्कूल में सम्पर्क स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट ब्लाक कार्यक्रम का शुभारंभ किया और जशपुर के 50 प्राथमिक स्कूली बच्चों के लिए सम्पर्क स्मार्ट कीट और टीवी का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, कांसाबेल जनपद पंचायत अध्यक्ष सुशीला साय, भरत सिंह, उपेन्द्र यादव, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, एसएसपी शशि मोहन सिंह और सम्पर्क फाउंडेशन के नेशनल मैनेजर प्रदीप राणा, डिप्टी कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा, जनप्रतिनिधिगण, स्कूली बच्चे और शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कार्यकम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज बहुत खुशी हो रही है कि हमारे गृह ग्राम बगिया में नवाचार के तहत सम्पर्क स्मार्ट स्कूल की शुरुआत की गई है।

मुख्यमंत्री ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए भावुक हो गए और इस बात की खुशी जाहिर की उनके गृह ग्राम बगिया में नवाचार के तहत सम्पर्क स्मार्ट स्कूल की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि उनका जन्म बगिया गांव में हुआ प्राथमिक शिक्षा पहली से पांचवीं तक बगिया प्राथमिक स्कूल में पढ़ाई पूरी की मुख्यमंत्री ने बताया कि 50 साल पहले बगिया स्कूल खपरैल का रहता था। पानी टपकता था पानी टपकने के कारण जगह बदलना पड़ता था लेकिन आज 50 साल बाद बगिया स्कूल का कायाकल्प हो गया है वर्तमान में

हाईस्कूल संचालित हो रहा है। 50 वर्षों में बगिया का कितना विकास हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले जमाने में प्राथमिक स्कूलों के बाद हाईस्कूल पढ़ने के लिए लम्बी दूरी करनी पड़ती थी लेकिन वर्तमान में छत्तीसगढ़ में बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा की सुविधा बच्चों को दी जा रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षा ही एक मात्र मूल मंत्र है जिससे व्यक्ति का विकास संभव है। शिक्षक हमारे राष्ट्र के निर्माता होते हैं यही हमें अच्छा डाक्टर, इंजीनियर,वकील, वैज्ञानिक, प्रोसेसर बनाने अहम भूमिका निभा रहे हैं। जैसी मुझे जानकारी मिली है कि संपर्क फाउन्डेशन के संस्थापक अध्यक्ष विनीत नायर जी HCL Technologies के ष्टश्वह्व रहे हैं। उन्होंने उनकी मां जनक नायर जो सरकारी स्कूल में शिक्षिका थी से प्रेरणा पाकर संपर्क कार्यकम का प्रारंभकिया गया है जो कि उतरप्रदेश, हरियाणा राज्यस्थान, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखण्ड जैसे राज्यों में बच्चों के सिखने सिखाने में बहुमूल्य योगदान दिया जा रहा है। सम्पर्क फाउडेशन खेल-खेल के माध्यम से बच्चों को सीखना सिखाना असान कर रहा है। इसके लिए संम्पर्क फाउडेशन के द्वारा संम्पर्क टी.वी. डिवाइस एवं गणित किट अंग्रेजी किट प्रदान किया जाता है जो आज हमारे जिले के 50 विद्यालयों को वितरण किया जा रहा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि विद्यालयों में इन किट का भरपूर उपयोग किया जाएगा जिससे हमारे बच्चों का न केवल झिझक दूर होगा बल्कि हमारे बच्चों को सीखना सिखाना भी असान हो जायेगा। अत: आप सभी प्रधान पाठक इन सब संसाधनों के उपयोग को सही क्रम और सही ढंग से समझें और बच्चों को आगे बढाएं।

कलेक्टर ने अवगत कराया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जशपुर जिले के 15 विद्यार्थियों ने 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में टॉप 10 मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर संपूर्ण राज्य में अपना परचम लहराया । कक्षा 10वीं के 94 प्रतिशत विद्यार्थी एवं 12वीं के 94 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण होकर राज्य में सर्वाधिक उत्तीर्णता प्रतिशत वाला जिला रहा है। उच्च शिक्षा के साथ साथ प्राथमिक स्तर पर जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 5वीं में 99.5 प्रतिशत एवं 8वीं में 97.3 प्रतिशत के साथ राज्य स्तर पर अपनी विशेष छाप छोडी है।

जिले में शैक्षणिक गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु मुख्यमंत्री साय के निर्देशन में विभाग के द्वारा जिला स्तर पर समस्त प्रधान पाठकों एवं प्राचार्यों के उन्मुखीकरण का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए इसरो आईआईटी एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से टाईअप करते हुए कई कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, प्रतिदिवस शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की ऐप के माध्यम से उपस्थिति ली जा रही है, दैनंदिनी की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है एवं वर्तमान में जिले के समस्त विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था सुधार हेतु युक्तियुक्तकरण की कार्यवाही सम्पन्न की गई है। इसी क्रम में जिले के 50 प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएलएन) हेतु संपर्क फाउन्डेशन के माध्यम से एफएलएन किट का वितरण किया जा रहा है जो जिले के शैक्षणिक गुणवत्ता के सुधार में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950